सत्यमेव जयते

भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
राष्ट्रीय जल जीवन मिशन

हर घर जल
जल जीवन मिशन

मिलकर करें काम
बनाएँ जीवन आसान

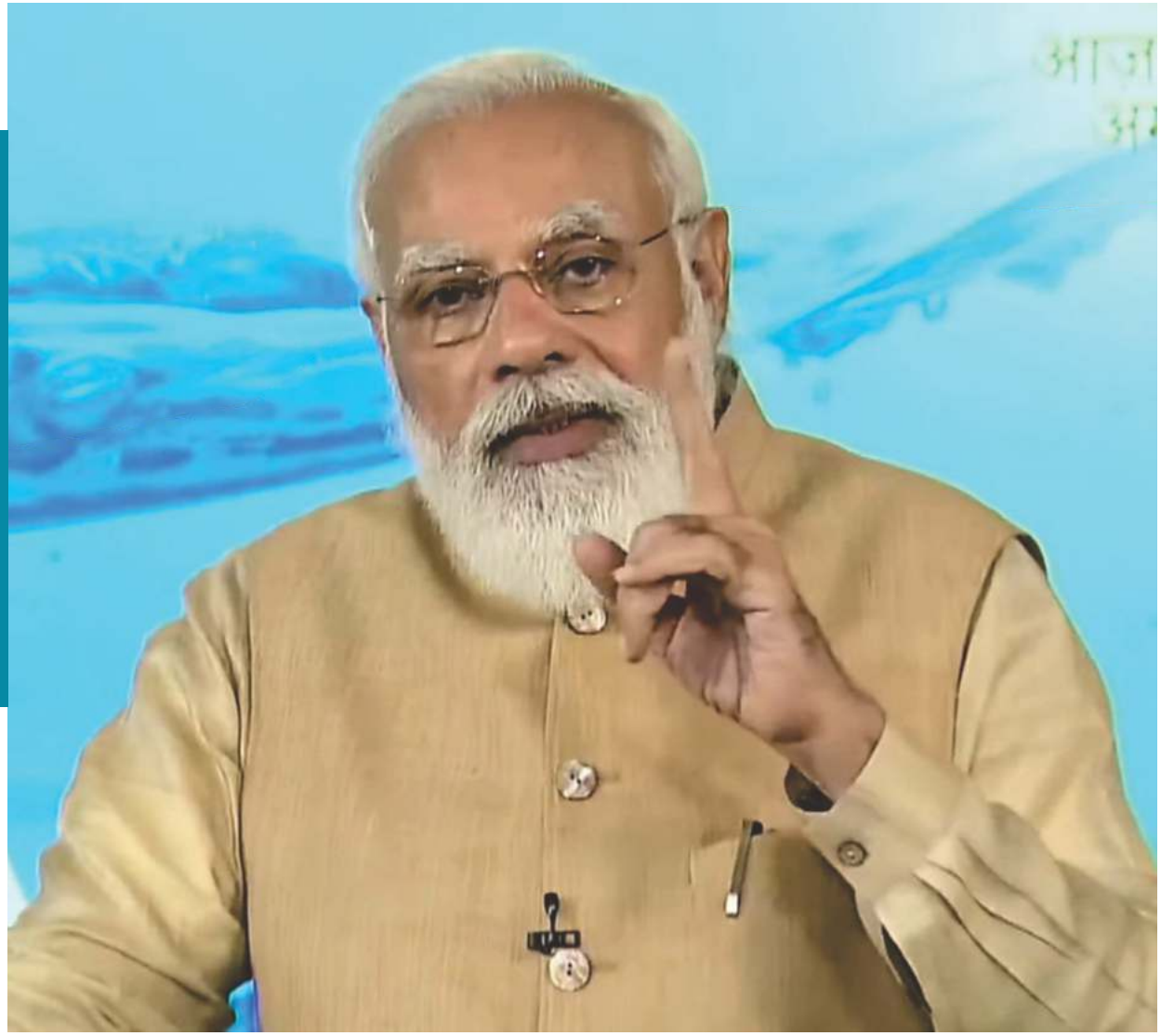

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

का 'जल जीवन मिशन' पर पानी समितियों के साथ संवाद

पूज्य बापू के 'ग्राम स्वराज' के सपने को साकार करने की दिशा में

'जल जीवन मिशन' पर राष्ट्रव्यापी ग्राम सभाएं और पानी समितियों के साथ प्रधानमंत्री का सीधा संवाद

2 अक्टूबर, 2021

ग्राम स्वराज का असली लाभ तभी मिलेगा जब गांव में रहने वालों की, गांव के विकास कार्यों से जुड़ी प्लानिंग और मैनेजमेंट तक में सक्रिय सहभागिता हो... ग्राम स्वराज को लेकर केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का एक बड़ा प्रमाण जल जीवन मिशन और पानी समितियां भी हैं।

- ग्राम सभाओं को प्रधानमंत्री के सम्बोधन से उद्धृत
2 अक्टूबर, 2021

15 अगस्त, 2019 की स्थिति

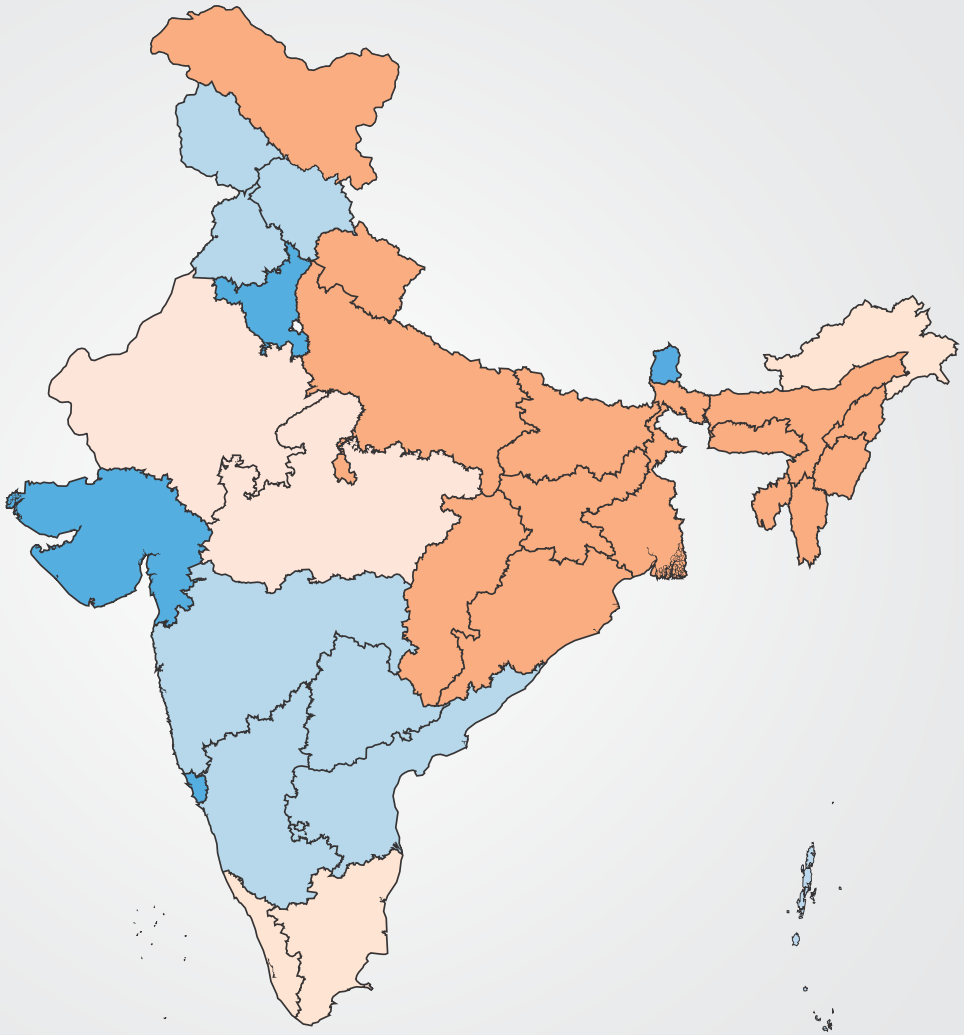

घरेलू नल जल कनेक्शन: 3.23 करोड़ (17%)

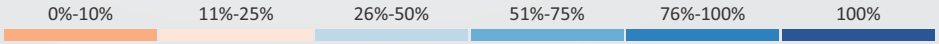

2 अक्टूबर, 2021 की स्थिति

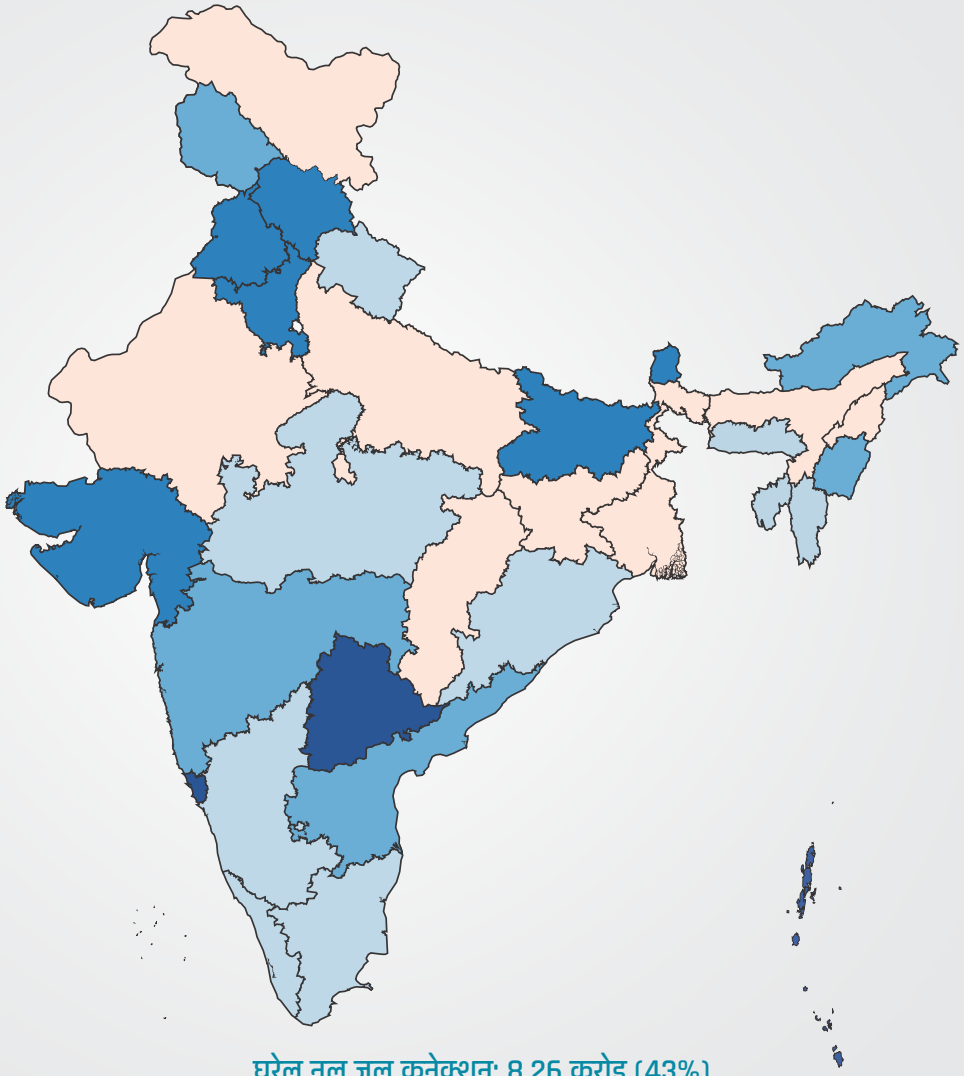

घरेलू नल जल कनेक्शन: 8.26 करोड़ (43%)

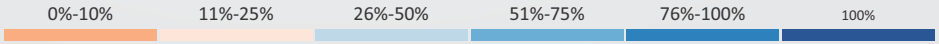

जल जीवन मिशन की उपलब्धियां

2 अक्टूबर, 2021 तक

	कुल संख्या	प्रारम्भिक तिथि को कवरेज की स्थिति	2 अक्टूबर, 2021 की स्थिति	कवरेज में वृद्धि	वृद्धि का प्रतिशत
*ग्रामीण घर (करोड़ में)	19.22	3.23	8.26	5.03	26%
*आकांक्षी जिलों में ग्रामीण घर (करोड़ में)	3.38	0.24	1.22	0.98	29%
*जे.ई.-ए.ई.एस. प्रभावित इलाकों में ग्रामीण घर (करोड़ में)	3.04	0.08	1.19	1.11	37%
गुणवत्ता प्रभावित इलाकों में स्थित बसावटें (संख्या)	57,539	0	10,441	10,441	18%
# नल कनेक्शन से युक्त स्कूल (लाख में)	10.31	0.49	8.02	7.53	73%
# नल कनेक्शन से युक्त आंगनवाड़ी केन्द्र (लाख में)	11.21	0.25	7.82	7.57	68%
# नल कनेक्शन से युक्त आश्रमशालाएं (लाख में)	0.11	0	0.09	0.09	79%
# नल कनेक्शन से युक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (लाख में)	0.84	0	0.54	0.54	64%

टिप्पणी: मिशन के तहत 2,000 से ज़्यादा जल गुणवत्ता जांच प्रयोगशालाएँ स्थापित। इनमें से 300 से ज़्यादा NABL से मान्यताप्राप्त
'पानी समितियों' की 7 लाख से ज़्यादा महिलाएं जल गुणवत्ता जांच और चौकसी के लिए प्रशिक्षित
3.5 लाख से ज़्यादा ग्राम जल और स्वच्छता समितियां गठित

* 15 अगस्त, 2019 को 'प्रारम्भिक तिथि' माना गया है

2 अक्टूबर, 2020 को 'प्रारम्भिक तिथि' माना गया है

गजेन्द्र सिंह शेखावत
केंद्रीय जल शक्ति मंत्री

...जल जीवन मिशन भी देश के आम लोगों के लिए शुरू की गईं अन्य योजनाओं के ही अनुरूप है, और इन सबका उद्देश्य ईज़ ऑफ लिविंग को बढ़ाना है, ताकि लोग अपनी बुनियादी ज़रूरतों के आगे की भी सोच सकें... मुझे पूरा भरोसा है कि हम देश के प्रत्येक ग्रामीण घर तक नल से जल पहुंचाने के जे.जे.एम. के लक्ष्य को हासिल कर लेंगे ...

- 'जल और भविष्य' विषय पर OPEN पत्रिका,
अंक 11, संस्करण 73 में प्रकाशित लेख से

प्रह्लाद सिंह पटेल

जल शक्ति राज्य मंत्री

...आज का दिन 'हर घर जल' के लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि आज देश के 1 लाख से ज़्यादा गांवों के हर घर में नल से जल पहुँच गया है। यह उपलब्धि सूचक है सरकार की सही दिशा और सही नीतियों की; साथ ही इससे प्रक्रियाओं की पारदर्शिता और सार्वजनिक धन के सही उपयोग की कार्यशैली भी साफ झलकती है। जो गाँव वर्षों से पेयजल के संकट से जूझ रहे थे, वहाँ के लोगों को अब उनके ही घर में पीने का साफ पानी नल से मिल रहा है।

(देशभर के 1 लाख गांवों के 'हर घर जल'
बन जाने के ऐतिहासिक अवसर पर)

पंकज कुमार
सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

जल जीवन मिशन' जल आपूर्ति के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन ला रहा है, जहां अब मुख्य ध्यान 'बुनियादी ढांचा खड़ा करने' पर ही नहीं बल्कि 'सर्विस डिलीवरी' पर भी है। मिशन ने ग्राम पंचायतों/ पानी समितियों का क्षमता-संवर्धन कर उन्हें अपने-अपने गाँव की जल आपूर्ति प्रणालियों के प्रचालन और रखरखाव के योग्य बना दिया है, जिससे वे 'सर्विस डिलीवरी' पर ध्यान केन्द्रित कर पा रही हैं। ग्राम पंचायतें/ पानी समितियां अब जल-संबंधी किसी भी जन-शिकायत को दूर करने में भी सक्षम हैं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव
हर घर जल
पूज्य बापू के ग्राम-स्वराज के विजन के साथ
देशभर में ग्राम सभा का आयोजन और
जल जीवन मिशन के तहत
पानी समितियों के साथ
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी
का संवाद
प्रातः 10 बजे से दोपहर 12
2 अक्टूबर, 2021

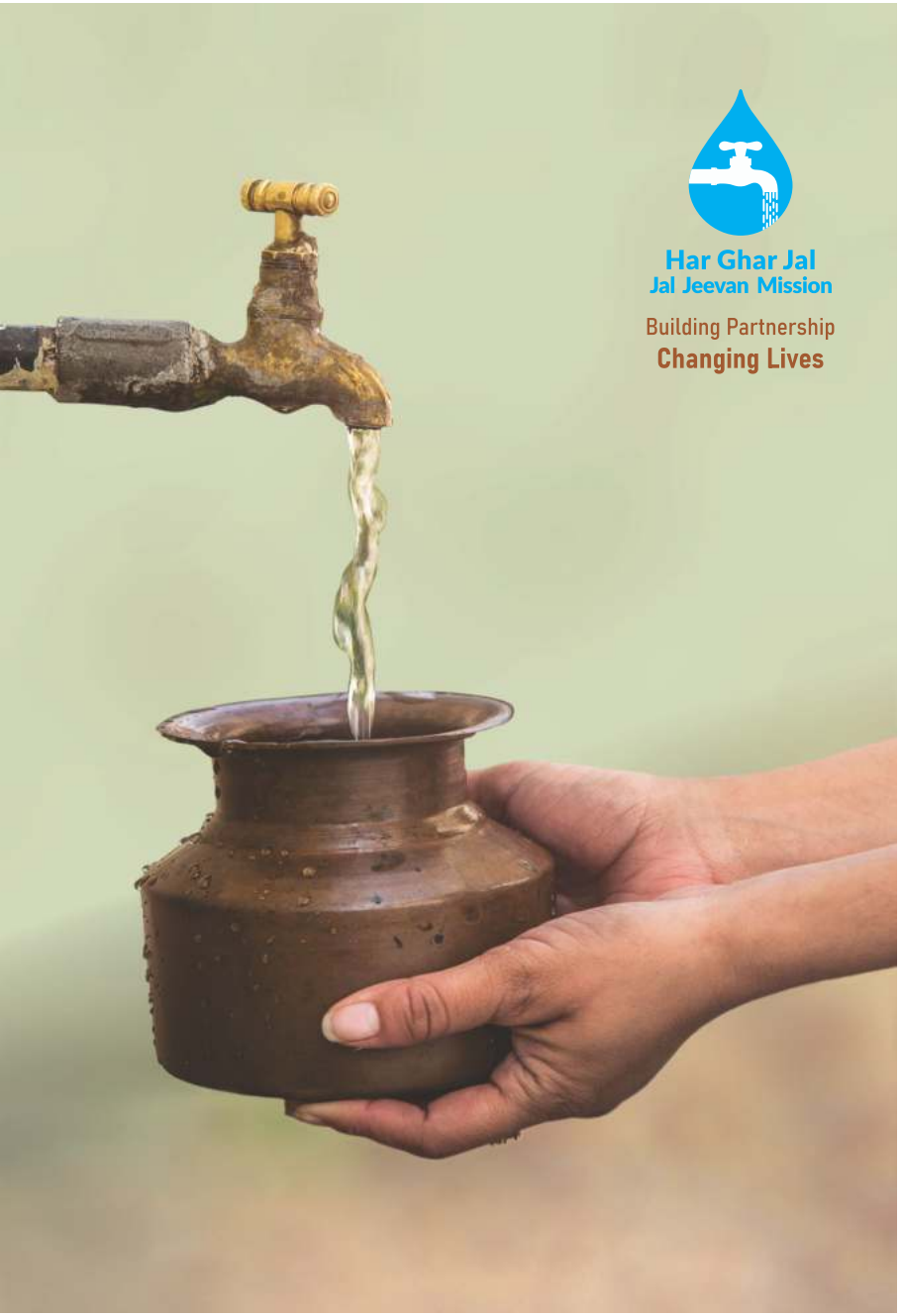

जल जीवन मिशन : ग्राम स्वराज की परिकल्पना पर आधारित

भरत लाल
अपर सचिव एवं मिशन निदेशक, राष्ट्रीय जल जीवन मिशन

जल ही जीवन है। जल के बिना मनुष्यों के लिए कुछ भी कर पाना संभव नहीं। अतः पेयजल की आपूर्ति किसी भी समाज या समुदाय के कल्याण के लिए एक आवश्यक, बुनियादी और निर्णायक 'सर्विस डिलिवरी' का रूप धारण कर लेती है। 'जल जीवन मिशन' एक ऐसा अभूतपूर्व अवसर प्रदान करता है जिससे गांवों में जल आपूर्ति की 'सर्विस डिलिवरी' और प्रबंधन के लिए एक ऐसी मजबूत व्यवस्था स्थापित की जा सके, जो स्थानीय लोगों को न केवल नल कनेक्शन के माध्यम से लंबे समय तक उनके घरों में निर्धारित गुणवत्ता का शुद्ध पेयजल उपयुक्त मात्रा और प्रेशर में नियमित रूप से उपलब्ध करा सके बल्कि साथ ही उन्हें दीर्घकालीन जल-सुरक्षा भी प्रदान कर सके।

'ग्राम स्वराज' के बारे में महात्मा गांधी की यह परिकल्पना थी, कि प्रत्येक गाँव स्वयं में एक सम्पूर्ण और पूर्णत: आत्मनिर्भर व्यवस्था हो, जहां स्वाभिमान के साथ जीने के लिए सभी सुविधाएं और प्रणालियाँ मौजूद हों। ग्राम स्वराज की परिकल्पना में सतत विकास के उपाय और आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर प्रयास अंतर्निहित हैं। इस परिकल्पना के मूल में एक विकेंद्रीकृत, मानवता पर आधारित और निरंतरता बनाए रखने वाला दृष्टिकोण समाहित है।

प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 अगस्त 2019 को घोषित 'जल जीवन मिशन' (जे.जे.एम.) का मुख्य उद्देश्य 2024 तक देश के प्रत्येक ग्रामीण घर और सार्वजनिक संस्थान में नल कनेक्शन से शुद्ध पानी की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित कर ग्रामीण लोगों, खासकर महिलाओं और बच्चों के जीवन को बेहतर बनाना है। राज्यों की भागीदारी से चलाया जा रहा जल जीवन मिशन का निरंतर प्रयास है कि ग्रामीण महिलाओं को घर के लिए दूर-दूर से बड़े-बड़े मटकों और बर्तनों में पानी ढो कर लाने की सदियों से चली आ रही मजबूरी से मुक्ति दिलाई जाए, और साथ ही सब गांवों को जल, स्वच्छता और साफ़-सफ़ाई (WASH) के महत्व को समझने योग्य बना कर उन्हें 'WASH-प्रबुद्ध' गाँव बनाया जा सके।

सुनिश्चित 'सर्विस डिलिवरी' के लिए जल-स्रोतों और जल आपूर्ति प्रणालियों की निरंतरता सुनिश्चित करने के साथ ही साथ उनके दैनिक प्रचालन और रखरखाव के लिए आवश्यक वित्त व्यवस्था की निरंतरता को बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सुनिश्चित 'सर्विस डिलिवरी' के लिए उपयुक्त व्यवस्था करने में प्रत्येक ग्राम पंचायत और/ या उसकी

उपसमिति (जिसे 'ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति' / 'पानी समिति' कहा जाता है) निर्णायक भूमिका निभाती हैं। इस दिशा में जल जीवन मिशन एक विकेंद्रीकृत कार्यक्रम के रूप में लागू किया जा रहा है, जिसमें प्रबंधन की 'बॉटम अप' पद्धति को अपनाते हुए निर्णय लेने का सर्वप्रथम अधिकार सबसे निचले स्तर, यानि ग्रामीण-समुदाय को प्रदान किया गया है – परिणामस्वरूप ग्रामवासियों को इतना अधिकारसम्पन्न और सक्षम बनाया जाता है कि वे अपने गाँव के भीतर की सम्पूर्ण जल आपूर्ति प्रणाली की योजना बनाने, उसे लागू करने, और उसका प्रबंधन करने संबंधी निर्णय ले सकें तथा उसे दैनिक आधार पर चलाने और रखरखाव करने की भी पूरी जिम्मेदारी उठा सकें।

यह ग्राम-स्तर की स्थानीय स्व-शासन संस्थाओं (पंचायत, आदि) को अधिकारसम्पन्न बनाने के लिए देश के संविधान में किए गए 73वें संशोधन के भी अनुरूप है। निर्णय लेने की विकेंद्रीकृत पद्धति अपनाते हुए ग्राम-स्तर की संस्थाओं को अधिकारसम्पन्न और सक्षम बना कर, तथा उच्च गुणवत्ता की 'सर्विस डिलिवरी' सुनिश्चित कर ही जल जीवन मिशन के लक्ष्यों को हासिल किया जा सकता है, जिसके अंतर्गत पेयजल के नल कनेक्शनों और जल आपूर्ति प्रणालियों की दीर्घकालीन कार्यशीलता (फंक्श्नैलिटी) को सुनिश्चित करने पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है।

अगस्त 2019 में जल जीवन मिशन की घोषणा के समय देश के कुल 18.70 करोड़ ग्रामीण घरों में से केवल 3.23 करोड़ घरों (17%) में ही पीने के पानी का नल कनेक्शन था। इस प्रकार, आगामी 5 वर्षों में शेष 83%, यानि लगभग 16 करोड़ ग्रामीण घरों में शुद्ध पेयजल सुनिश्चित करने के लिए उनमें कार्यशील घरेलू नल कनेक्शनों की व्यवस्था की जानी है, और साथ ही मौजूदा जल आपूर्ति प्रणालियों में भी सुधार करना होगा ताकि वे भी जल जीवन मिशन के मानकों के अनुरूप जल आपूर्ति कर सकें।

इस लक्ष्य को प्राप्त करने, तथा गांवों को अपने यहाँ की जल आपूर्ति सेवा का प्रबंधन करने में सक्षम बनाने और जल-सुरक्षा हासिल करने के लिए जल जीवन मिशन के तहत एक सुनियोजित कार्यनीति अपनाई गई है। जिन गांवों में पाइप के ज़रिये जल आपूर्ति की व्यवस्था पहले से ही मौजूद है, वहाँ उसे जल जीवन मिशन के अनुरूप बनाने के लिए उसमें ज़रूरत के अनुसार सुधार (रेट्रोफिटिंग/ ऑगमेंटेशन) कर बाकी बचे सभी घरों, और सार्वजनिक संस्थानों (स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्र, आश्रमशाला, स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक केन्द्र, ग्राम पंचायत भवन, आदि) को भी नल कनेक्शन उपलब्ध कराये जा रहे हैं। जिन गांवों में अच्छी गुणवत्ता का भूजल/ सतही-जल समुचित मात्रा में उपलब्ध है, वहाँ पेयजल आपूर्ति के लिए एक गाँव वाली 'सिंगल विलेज स्कीम' बनाई और लागू की जा रही हैं, क्योंकि ऐसी परियोजनाओं को ग्राम पंचायतों/ पानी समितियों द्वारा बड़ी आसानी से चलाया और रखरखाव किया जा सकता है।

जिन गांवों में भूजल प्रचुर मात्रा में उपलब्ध तो है मगर उसकी गुणवत्ता ठीक नहीं है, वहाँ आपूर्ति से पहले उसे उपयुक्त शोधन संयंत्र के माध्यम से शुद्ध कर पीने योग्य बनाया जाता है तथा/ या सतही जल के किसी भरोसेमंद स्रोत पर आधारित पेयजल आपूर्ति प्रणाली अपनाई जाती है। पानी की कमी वाले, सूखे की आशंका वाले तथा रेगिस्तानी इलाकों में दीर्घकालीन जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पानी के 'बल्क ट्रान्सफर', जल शोधन संयन्त्रों और वितरण प्रणालियों पर आधारित योजनाएं लागू की जा रही हैं, और साथ ही वहाँ के स्थानीय पेयजल स्रोतों को सुदृढ़ करने पर भी पूरा ज़ोर दिया जा रहा है, ताकि उन योजनाओं को चलाने और उनके रखरखाव के दौरान पानी के 'बल्क ट्रान्सफर'/ पंपिंग पर आने वाले खर्च को कम से कम रखा जा सके। जनजातीय इलाकों में छितरी हुई बसावटों/ पहाड़ी/ वन क्षेत्रों में सौर ऊर्जा और/ या ग्रेविटी पर आधारित स्वतंत्र जल आपूर्ति प्रणालियों को प्राथमिकता दी जा रही है, क्योंकि ऐसी प्रणालियों को चलाने और उनके रखरखाव पर काफी कम खर्च आता है जिससे स्थानीय लोगों को आसानी होती है।

जल जीवन मिशन के तहत प्रत्येक गाँव को एक इकाई के रूप में लिया जा रहा है, ताकि हर गाँव को जल-सुरक्षा प्रदान की जा सके। इसके लिए गाँव के सभी लोगों की भागीदारी से 5-वर्षीय 'ग्राम कार्य योजना' तैयार की जाती है, जो 15वें वित्त आयोग की अवधि के साथ चलती है। इस 'ग्राम कार्य योजना' में 4 बातों पर विशेष ध्यान दिया जाता है: स्थानीय पेयजल स्रोतों की सुरक्षा और वृद्धि; प्रत्येक घर और सार्वजनिक संस्थान के लिए नल से जल की व्यवस्था के लिए गाँव के भीतर जल आपूर्ति प्रणाली की स्थापना; 'ग्रेवॉटर' को उचित ढंग से एक जगह एकत्र कर उसका शोधन और पुनरुपयोग; तथा जल आपूर्ति प्रणाली को नियमित रूप से चलाने और उसके रखरखाव की व्यवस्था।

शुद्ध पेयजल की भरोसेमंद आपूर्ति और बेहतर स्वच्छता के महत्व को पहचानते हुए, 15वें वित्त आयोग ने इन दोनों सेवाओं को राष्ट्रीय प्राथमिकता वाली सेवाएँ माना है, और ये सेवाएँ प्रदान करने के लिए 2021-22 से ले कर 2025-26 तक की अवधि के लिए पंचायती राज संस्थाओं/ ग्रामीण स्थानीय निकायों को 1 लाख 42 हज़ार करोड़ रुपये का आबंटन किया है। यह धनराशि गांवों में जल और स्वच्छता से जुड़े कार्य करने के लिए 'सशर्त अनुदान' के रूप में उपलब्ध होगी। यह 'सशर्त अनुदान' ग्रामीण स्व-शासन को सुदृढ़ करने का सुनहरा अवसर प्रदान करता है, जिसमें मुख्य ध्यान 'सुनिश्चित सर्विस डिलिवरी' पर केन्द्रित है। यह वित्तीय व्यवस्था वह निर्णायक कदम है जिसके फलस्वरूप स्थानीय स्व-शासन संस्थाएं जल और स्वच्छता से जुड़ी 'सुनिश्चित सर्विस डिलिवरी' दे पाने में सक्षम हो पाएँगी। यह प्रगतिशील उपाय गांवों को जल-सुरक्षा प्रदान करने और उन्हें 'WASH-प्रबुद्ध' बनाने में भी बड़ा मददगार साबित होगा, जिससे ग्राम विकास और 'ग्राम स्वराज' के मार्ग में आने वाली एक बहुत बड़ी बाधा भी दूर हो जाएगी। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय का पेयजल एवं स्वच्छता विभाग स्थानीय पंचायती राज संस्थाओं को अनुदान प्रदान करने संबंधी योग्यता शर्तें तय करने, तथा राज्यों को तकनीकी सहयोग और शुरुआती मदद प्रदान करने के लिए 'नोडल विभाग' के रूप में कार्य कर रहा है। 2 अक्टूबर, 2021 तक देशभर में 2 लाख 86 हज़ार गांवों ने अपनी 'ग्राम कार्य योजना' बना कर उन्हें लागू करना शुरू कर दिया था।

ग्राम-स्तर पर स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत की एक उप-समिति, जिसे 'पानी समिति' के नाम से जाना जाता है, वह 'स्थानीय जल आपूर्तिकर्ता संस्था' के रूप में कार्य करती है। प्रत्येक पानी समिति में 50% सदस्य महिलाएं होती हैं, तथा समाज के कमज़ोर वर्ग के लोगों को भी उनके अनुपात में प्रतिनिधित्व दिया जाता है, ताकि ग्रामीण समाज अपने गाँव में जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में परिवर्तनकारी भूमिका निभाने में सक्षम बन सके। देश के कुल 6 लाख 5 हज़ार गांवों में से 3 लाख 72 हज़ार से ज़्यादा गांवों में 2 अक्टूबर, 2021 तक ऐसी पानी समितियां गठित हो चुकी थीं, और उन्होने काम भी शुरू कर दिया था।

इस प्रकार, ग्रामीण इलाकों को दीर्घकालीन जल सुरक्षा प्रदान करने के लिए 'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत स्थानीय समुदाय को अधिकारसम्पन्न और सक्षम बनाने पर विशेष ज़ोर दिया जाता है, ताकि वे जल आपूर्ति और स्वच्छता से जुड़ी अपनी ज़िम्मेदारियों को भलीभाँति निभा सकें। प्रत्येक गाँव में लोगों को नल के शुद्ध पानी के महत्व और उससे स्वास्थ्य को होने वाले फ़ायदों, उसका ठीक ढंग से उपयोग, अन्य कार्यों की तुलना में घरेलू उपयोग के लिए प्राथमिकता तथा जल के उपयोग के लिए तय दर से शुल्क देने के महत्व के बारे में समझाया जाता है। साथ ही, उन्हें अन्य कार्यक्रमों/ योजनाओं के साथ तालमेल करने, गाँव में शुद्ध पानी की मांग कम करने की दिशा में 'ग्रेवॉटर' के शोधन और उसके पुनरुपयोग, जन शिकायतों को प्रभावकारी ढंग से निपटाने, तथा जल गुणवत्ता की निगरानी एवं चौकसी करने और कमी पाये जाने पर उपयुक्त समाधान करने, आदि के बारे में भी जागरूक किया जा रहा है। गांवों में जल आपूर्ति से जुड़े कार्यों को तेज़ी से पूरा करने, और साथ ही वहाँ स्थापित हुई जल आपूर्ति प्रणालियों को नियमित रूप से चलाने और रखरखाव के लिए समुचित संख्या में हुनरमंद लोग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थानीय युवाओं को प्लम्बर, मिस्त्री, इलेक्ट्रिशियन, मोटर मैकेनिक, फ़िटर, पम्प ऑपरेटर, आदि कार्यों के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसके फलस्वरूप, ग्रामीण इलाकों में जल आपूर्ति परियोजनाओं के निर्माण और रखरखाव के साथ ही जल संरक्षण के क्षेत्र में भी रोज़गार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

नल से मिल रहे पेयजल की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए जल जीवन मिशन स्थानीय समुदाय को पूरा-पूरा अवसर देता है कि वे अपने गाँव में जल गुणवत्ता की चौकसी कर सकें। प्रत्येक गाँव में जल की शुद्धता के विभिन्न पहलुओं के बारे में पाँच महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि वे 'फील्ड टैस्ट किट्स' की मदद से पानी की जांच कर सकें, स्वच्छता पर नज़र रख सकें, और उन आंकड़ों को जल जीवन मिशन के पोर्टल पर अपलोड कर सकें। ये सभी अभूतपूर्व कदम महात्मा गांधी की 'ग्राम स्वराज' की परिकल्पना के ही अनुरूप हैं, जिसमें ग्रामीण समाज को अपने बारे में महत्वपूर्ण निर्णय लेने का अधिकार होता है।

'जल जीवन मिशन' के मार्गदर्शक सिद्धान्त: 'मिल कर करें काम, बनाएँ जीवन आसान' के ही अनुरूप 185 विख्यात संगठनों को - जिनमें संयुक्त राष्ट्र एजेंसियां, प्रमुख ट्रस्ट, फाउंडेशन, आदि शामिल हैं - 'सैक्टर पार्टनर्स' के रूप में शामिल किया गया है। वे सब अपने संसाधनों और प्रयासों को संगठित कर 'हर घर जल' के साझे लक्ष्य को प्राप्त करने में योगदान कर रहे हैं। राज्यों के ग्रामीण जल आपूर्ति/ जल एवं स्वच्छता/ जन स्वास्थ्य इंजीनियरी से जुड़े अधिकारियों की दक्षता बढ़ाने, उनकी सोच में बदलाव लाने और उनके प्रशिक्षण तथा सामुदायिक जनजागृति के लिए बड़े पैमाने पर कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं, जिसके लिए 104 प्रमुख संसाधन केंद्र ('की रिसोर्स सेंटर्स' यानि के.आर.सी.) चुने गए हैं। ये केंद्र विभिन्न स्तरों पर, यानि राज्य, ज़िला और ग्राम स्तर पर कार्मिकों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। स्थानीय ग्रामीण समुदाय को जल जीवन मिशन से जुड़े प्रारम्भिक क्रियाकलापों में सहयोग देने के लिए राज्य सरकारें गैर-सरकारी संगठनों, स्वैच्छिक संगठनों, समुदाय आधारित संगठनों, महिला स्वयं-सहायता समूहों, आदि को कार्यान्वयन सहयोग एजेंसी ('इम्प्लीमेंटेशन सपोर्ट एजेंसी' यानि आई.एस.ए.) के रूप में अनुबंधित कर रही हैं। जल जीवन मिशन को 'जन आंदोलन' का स्वरूप प्रदान करने की दिशा में किए जा रहे इन सब प्रयासों से निश्चित ही 'ग्राम स्वराज' की स्थापना हो सकेगी।

समाज के सबसे कमज़ोर और उपेक्षित लोगों के घरों तक भी नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाने के सर्वव्यापी लक्ष्य को हासिल करने के लिए जल जीवन मिशन द्वारा अपनाए गए **'अंत्योदय'** के सिद्धान्त का ही परिणाम है कि देश के 112 आकांक्षी जिलों में पेयजल के नल कनेक्शनों की संख्या 31 लाख 30 हज़ार (9%) से बढ़ कर अब 1 करोड़ 22 लाख 62 हज़ार (36%) हो गई है। इसी प्रकार, 5 राज्यों में जे.ई./ ए.ई.एस. बीमारी से प्रभावित 61 ज़िलों में नल जल कनेक्शनों की संख्या 8 लाख (2.6%) से बढ़ कर 1 करोड़ 15 लाख 95 हज़ार (39%) हो गई है, जिससे लोगों, खासकर महिलाओं और बच्चों के जीवन स्तर में व्यापक सुधार आया है।

बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण पर विशेष ध्यान देते हुए, तथा कोविड महामारी के दौरान समय-समय पर साबुन से हाथ धोने के लिए साफ पानी की आवश्यकता को देखते हुए 2 अक्टूबर, 2020 को एक विशेष अभियान शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य स्कूलों, आंगनवाड़ी केन्द्रों और आश्रमशालाओं में पीने, खाना बनाने, हाथ धोने और शौचालय में उपयोग के लिए नल से साफ पानी की व्यवस्था करना था।

शिक्षा के इन केन्द्रों में वर्षाजल संचयन और 'ग्रेवॉटर' प्रबंधन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। बचपन में ही जल संरक्षण के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देने से बच्चे पानी के बारे में अच्छी आदतें सीख सकेंगे, जिससे भविष्य में वे निरंतरता पर आधारित सुखी जीवन जी पाएंगे। इस विशेष अभियान के तहत किए गए अथक प्रयासों का ही फल है कि अब देशभर में फैले 7 लाख 93 हज़ार (76.93%) स्कूलों तथा 7 लाख 65 हज़ार (68.21%) आंगनवाड़ी केन्द्रों में नल से साफ पानी की आपूर्ति होने लगी है। अब जब बच्चे फिर से स्कूलों, आंगनवाड़ी केन्द्रों और आश्रमशालाओं को लौटने लगे हैं, तब वे नल से मिलने वाले शुद्ध जल का उपयोग कर सकेंगे।

नवीनतम टेक्नोलॉजी का भरपूर उपयोग करते हुए जल जीवन मिशन सुनिश्चित सर्विस डिलिवरी में पारदर्शिता, जवाबदेही, और धनराशि के प्रभावकारी उपयोग, आदि को बढ़ावा दे रहा है। प्रत्येक नल जल कनेक्शन को घर के मुखिया के आधार नंबर से जोड़ा जा रहा है, जल आपूर्ति का जो बुनियादी ढांचा खड़ा किया जा रहा है उसे 'जियो टैग' किया जा रहा है और हर लेन-देन भी 'लोक वित्त प्रबंधन प्रणाली' (पी.एफ़.एम.एस.) के माध्यम से ही किया जा रहा है। जल जीवन मिशन के तहत किए जा रहे कार्यों और उनमें इस्तेमाल हो रहे साजो-सामान की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए 'थर्ड पार्टी' निरीक्षण को अनिवार्य बनाया गया है। राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों ने 'थर्ड पार्टी' अनुबंधित की हैं, और कोई भी भुगतान करने से पहले उनसे निरीक्षण कराया जाता है। जल जीवन मिशन का ऑनलाइन डैशबोर्ड (JJM Dashboard) कोई भी देख सकता है; इसमें देशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित घरों और सार्वजनिक संस्थानों में लगाए जा रहे नल जल कनेक्शनों का विवरण राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र/ ज़िले और गाँव के आधार पर उपलब्ध है।

माननीय प्रधानमंत्री के शासन के सिद्धान्त: **'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास'** के ही अनुरूप जल जीवन मिशन भी हर घर नल से जल पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है; और इसी का परिणाम है कि आज 2 अक्टूबर, 2021 को देश में 8 करोड़ 26 लाख (43%) से ज़्यादा ग्रामीण घरों में नल से जल की आपूर्ति हो रही है। 'अंत्योदय' भावना से प्रेरित इस मिशन के फलस्वरूप आज देश के 81 ज़िलों और 1 लाख 18 हज़ार से ज़्यादा गांवों के प्रत्येक घर में नल से जल जल पहुँच रहा है। तीन राज्य: गोवा, हरियाणा और तेलंगाना तथा 3 संघ राज्य क्षेत्र: अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह, पुदुचेरी तथा दादरा नगर हवेली और दमन एवं दीव 'हर घर जल' प्रदेश बन गए हैं। ये आंकड़े परिचायक हैं कार्यों की उस 'गति और पैमाने' का, जिससे यह मिशन राज्यों के घनिष्ठ सहयोग से ग्रामीण इलाकों में रह रहे लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

2024 तक शेष 11 करोड़ ग्रामीण घरों और लगभग 40 लाख सार्वजनिक संस्थानों को नल से जल उपलब्ध कराने तथा ग्राम पंचायतों और पानी समितियों को सक्षम बना कर उन्हें गांवों की जल आपूर्ति और 'ग्रेवॉटर' प्रबंधन की ज़िम्मेदारी संभालने योग्य बनाने के लिए कार्यों को तीव्र गति से और अतिविशाल पैमाने पर पूरा किया जाना होगा। इस संदर्भ में यह उल्लेखनीय है कि अगस्त 2019 से यह जो परिवर्तनकारी कदम उठाया गया है कि जल आपूर्ति प्रणालियों का स्वामित्व गाँव की ही किसी संस्था को सौंप दिया जाता है, उसका स्थानीय समुदाय द्वारा स्वागत किया गया है, जिससे ग्राम-स्तर पर 'ज़िम्मेदार और संवेदनशील नेतृत्व' विकसित होने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

ग्राम पंचायतें अपने-अपने गाँव में जल जीवन मिशन संबंधी योजनाएँ बनाने और उसके कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए नियमित रूप से ग्राम सभाएं आयोजित करती हैं। पूज्य बापू के 'ग्राम स्वराज' की परिकल्पना को साकार करने तथा 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' मनाते हुए 2 अक्टूबर, 2021 को गांधी जयंती के अवसर पर देशभर में ग्राम सभाओं और पानी समितियों की बैठक आयोजित की गई ताकि इन समितियों को और सशक्त एवं अधिकारसम्पन्न बनाने के साथ ही उनको प्रोत्साहित किया जा सके, तथा उन्हें जल, स्वच्छता और साफ़-सफ़ाई से जुड़े कार्यों का सतत आधार पर प्रबंधन करने में सक्षम बनाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया जा सके। इस अवसर पर प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने जल जीवन मिशन के बारे में पानी समितियों के साथ सीधा संवाद किया तथा राष्ट्रव्यापी ग्राम सभाओं को संबोधित किया।

देशभर में ग्राम सभाओं द्वारा उत्सुकता से देखे गए इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने सरपंचों और ग्रामवासियों के साथ घरेलू पेयजल की आपूर्ति, गांवों में स्वच्छता और साफ़-सफ़ाई, जल संरक्षण और स्रोत सुदृढीकरण जैसे मसलों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने ग्रामवासियों को जल आपूर्ति के लिए उनके गाँव के भीतर स्थापित बुनियादी ढांचे की बागडोर अपने हाथ में लेने और पानी के स्थानीय स्रोतों की रक्षा और उनके संवर्धन के प्रति जागरूक और प्रोत्साहित किया।

यह कार्यक्रम जल जीवन मिशन के लिए एक और महत्वपूर्ण ढंग से भी मील का पत्थर साबित हुआ, क्योंकि मिशन की घोषणा के 25 महीनों में ही, कोविड महामारी की विभीषिका और उसके कारण लगी रुकावटों के बावजूद, 5 करोड़ से ज़्यादा ग्रामीण घरों में नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाने में कामयाबी मिली।

देशभर में आयोजित इन लगभग 1 लाख 75 हज़ार ग्राम सभाओं में 62 लाख से ज़्यादा ग्रामवासी शामिल हुए। जन जागृति के इस अभूतपूर्व समागम ने करोड़ों देशवासियों को दीर्घकालीन सुनिश्चित सर्विस डिलिवरी के प्रति जागरूक किया, और ग्राम सभाओं तथा पानी समितियों में एक नया जोश भर दिया कि वे अपने-अपने गांवों को 'WASH प्रबुद्ध' गाँव बनाएँगे।

इस पुस्तक में प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी, के 'जल जीवन संवाद' से जुड़ी मुख्य बातों पर प्रकाश डाला गया है। देश में जल क्षेत्र के विकास में श्री नरेन्द्र मोदी ने निश्चित रूप से अतुलनीय योगदान किया है। पहले, गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने अनेक नीतिगत और योजनागत उपायों के ज़रिये राज्य को हमेशा बने रहने वाले जल संकट से स्थायी रूप से मुक्ति दिलाई जिसके फलस्वरूप गुजरात में पानी न केवल पीने के लिए बल्कि कृषि कार्यों के लिए भी उपलब्ध हो सका, और साथ ही जल संरक्षण तथा जल उपयोग की दक्षता भी सुनिश्चित की जा सकी। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने देशवासियों के जीवन को और बेहतर बनाने तथा लोगों की 'ईज़ ऑफ लिविंग' में सुधार के लिए अनेक ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का मार्गदर्शन किया, जैसे स्वच्छता और साफ़-सफ़ाई के लिए 'स्वच्छ भारत मिशन', बेहतर आवासीय सुविधा, गांवों के लिए सड़कें, बैंक सुविधा, बिजली, रसोई-गैस, इंटरनेट सुविधा, इत्यादि।

गुजरात में स्थाई जल संकट से जुड़े मसलों को सुलझाने में मिली सफलता और वहाँ प्राप्त हुए अनुभवों ने ही प्रधानमंत्री जी को 'जल जीवन मिशन' संबंधी परिकल्पना को मूर्त रूप देने के लिए प्रेरित किया। जैसा कि इस अवसर पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री, श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने सटीक टिप्पणी की, "गुजरात में जल विकास के क्षेत्र में स्वयं द्वारा उठाए गए अभूतपूर्व कदमों से प्रेरणा लेते हुए, प्रधानमंत्री जी ने जल जीवन मिशन में महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण भूमिका तय की, जिसके फलस्वरूप यह मिशन राष्ट्रीय-स्तर पर सफल हो सका है।"

पानी से जुड़े सभी मसलों और पहलुओं से समग्र और समन्वित रूप से निपटने के लिए प्रधानमंत्री ने उन सबको जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत ला दिया है। प्रधानमंत्री ने 'जल शक्ति अभियान', अटल भूजल योजना, नमामि गंगे, इत्यादि कार्यक्रमों के माध्यम से जल संरक्षण के क्षेत्र में जिस दूरदृष्टि और नेतृत्व का परिचय दिया है, उससे भारत निश्चित रूप से जल-सुरक्षित देश बन सकेगा, और बना रहेगा।

भरत लाल
अपर सचिव एवं
मिशन निदेशक, राष्ट्रीय जल जीवन मिशन

ADMINISTRATION OF UT - LADAKH
MISSION
J&K Bank

जल जीवन मिशन पर राष्ट्रव्यापी ग्राम सभाएं

5 गांवों की पानी समितियों के अध्यक्षों के साथ प्रधानमंत्री का संवाद

जल जीवन मिशन पर आयोजित राष्ट्रव्यापी ग्राम सभाओं को प्रधानमंत्री का सम्बोधन

सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में ग्राम सभाएं

प्रधानमंत्री द्वारा 'जे.जे.एम. मोबाइल ऐप' का लोकार्पण

प्रधानमंत्री द्वारा 'जे.जे.एम. ई-पुस्तकों' का लोकार्पण

5 गांवों की पानी समितियों के अध्यक्षों के साथ प्रधानमंत्री के संवाद के

मुख्य बिन्दु

2 अक्टूबर, 2021 को प्रधानमंत्री ने देश के विभिन्न हिस्सों में फैली 5 ग्राम पंचायतों की पानी समितियों के अध्यक्षों के साथ सीधा संवाद किया। ये पंचायतें गुजरात, मणिपुर, तमिल नाडु, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड से थीं, और इन सभी में जल जीवन मिशन के तहत गाँव के भीतर जल आपूर्ति योजनाएँ स्थापित हो चुकी हैं, जिन्हें उनकी पानी समितियों द्वारा चलाया जा रहा है। पानी समितियों के अध्यक्षों के साथ प्रधानमंत्री का संवाद गाँव में पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता और जल संरक्षण की स्थिति; गाँव के भीतर स्थापित जल आपूर्ति प्रणाली को ग्रामवासी किस तरह चला रहे हैं और उसका रखरखाव, आदि किस प्रकार कर रहे हैं; तथा पानी की इस सहज उपलब्धता के फलस्वरूप उनके जीवन में क्या परिवर्तन आया है, इन विषयों पर केन्द्रित रहा।

उत्तर प्रदेश

ज़िला	**बांदा**
ब्लॉक	**बबेरु**
गाँव	**उमरी**
पानी समिति अध्यक्ष	**श्री गिरिजा कान्त तिवारी**

गाँव संबंधी जानकारी

गाँव में कुल मिला कर 250 घर हैं, और जन संख्या 1,370 है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्मित उमरी पेयजल आपूर्ति प्रणाली से गाँव के हर घर को नल से जल प्राप्त हो रहा है। इस गाँव को 'हर घर जल' बनने का सौभाग्य 31 अगस्त, 2021 को प्राप्त हुआ। गाँव के स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र को भी नल से जल की आपूर्ति हो रही है। उमरी की 5 महिलाओं की टीम नियमित रूप से अपने गाँव के नलकों से मिल रहे पानी की गुणवत्ता की जांच करती हैं। इस गाँव को 2 अक्टूबर, 2019 को 'खुले में शौच से मुक्त' (ओ.डी.एफ़.) घोषित किया गया था।

जल जीवन मिशन की घोषणा के समय 15 अगस्त, 2019 को उमरी में किसी भी घर में नल से जल की व्यवस्था नहीं थी। सभी परिवारों को पानी लाने के लिए लगभग 1 किलोमीटर दूर जाना पड़ता था। मगर अब, जल जीवन मिशन के फलस्वरूप गाँव के प्रत्येक घर के साथ-साथ वहाँ के स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र में भी नल से जल की सुविधा हो गई है। इस प्रकार उमरी जल जीवन मिशन के अंत्योदय के सिद्धान्त और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' का जीवंत उदाहरण है।

पूज्य बापू के ग्राम-स्वराज के विजन के साथ
देशभर में ग्राम सभा का आयोजन और
जल जीवन मिशन के तहत
पानी समितियों के साथ
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी
संवाद

उत्तराखंड

ज़िला	**देहारादून**
ब्लॉक	**सहसपुर**
गाँव	**क्यारकुलि भट्टा**
पानी समिति अध्यक्ष	**श्रीमती कौशल्या रावत**

गाँव संबंधी जानकारी

गाँव में 366 घर हैं, और जन संख्या 1,946 है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत अगस्त 2020 में निर्मित क्यारकुलि भट्टा पेयजल आपूर्ति प्रणाली से गाँव के हर घर को नल से जल प्राप्त हो रहा है। इस गाँव को 'हर घर जल' बनने का सौभाग्य अगस्त 2021 में प्राप्त हुआ। गाँव के स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र को भी नल से जल की आपूर्ति हो रही है। गाँव की 5 महिलाओं की टीम नियमित रूप से अपने गाँव के नलकों से मिल रहे पानी की गुणवत्ता की जांच करती है। क्यारकुलि भट्टा की पंचायत ने गाँव में 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी निवासियों के टीकाकरण के लिए 15 शिविर आयोजित किए, जिनके फलस्वरूप यह गाँव इस क्षेत्र में पहला पूर्णतः कोविड टीकाकृत गाँव बन गया।

ग्राम पंचायत ने स्थानीय जल स्रोतों के संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया है, जिसके लिए जल स्रोतों के आसपास वृक्षारोपण किया गया है। क्यारकुलि भट्टा को 'हर घर जल' का प्रमाण पत्र मिल जाने के बाद ग्रामवासियों ने गाँव की नाली-व्यवस्था तथा 'ग्रेवॉटर' के प्रबंधन के लिए सोख्ता-गड्ढों के निर्माण पर ध्यान केन्द्रित किया। गाँव को अक्टूबर 2016 में ही खुले में शौच से मुक्त (ओ.डी.एफ़.) घोषित कर दिया गया था।

अगस्त 2020 से पहले क्यारकुलि भट्टा में केवल 88 घरों (24%) में ही नल से जल की व्यवस्था थी। इस कमी के कारण अनेक ग्रामवासियों को मजबूरी में देहरादून या मसूरी की ओर पलायन करना पड़ता था। लेकिन जल जीवन मिशन के फलस्वरूप अब क्यारकुलि भट्टा के लोगों को 55 एल.पी.सी.डी. शुद्ध पेयजल की नियमित रूप से आपूर्ति हो रही है। इसका नतीजा ये हुआ है कि इस गाँव के लोग अब शहरों से वापस यहाँ आने लगे हैं।

જલ જીવન મિશન

गुजरात

ज़िला	**बनासकांठा**
ब्लॉक	**पालनपुर**
गाँव	**पीपली**
पानी समिति अध्यक्ष	**श्री रमेश भाई पटेल**

गाँव संबंधी जानकारी

गाँव में कुल मिला कर 715 घर हैं, और जन संख्या 3,041 है। गाँव में जून 2020 से दंता-वड्गाम-पालनपुर ग्रामीण जल आपूर्ति योजना तथा वास्मो पीपली जल आपूर्ति योजना लागू है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत पीपली को 'हर घर जल' बनने का सौभाग्य नवंबर 2020 में प्राप्त हुआ। गाँव के स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र को भी नल से जल की आपूर्ति हो रही है। अक्टूबर 2017 में इस गाँव को 'खुले में शौच से मुक्त' (ओ.डी.एफ़.) घोषित किया गया था। पीपली की 5 महिलाओं की टीम नियमित रूप से अपने गाँव के नलकों और जल-स्रोत के पानी की गुणवत्ता की जांच करती है।

जल जीवन मिशन की घोषणा के समय 15 अगस्त, 2019 को पीपली के 143 घरों (20%) में ही नल से जल की व्यवस्था थी। शेष परिवारों को पानी लाने के लिए लगभग 1 किलोमीटर दूर जाना पड़ता था। मगर अब, जल जीवन मिशन के फलस्वरूप गाँव के सभी 715 घरों के साथ-साथ वहाँ के स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र में भी नल से जल की सुविधा हो गई है। पानी की बचत और गाँव को बेहतर जल सुरक्षा प्रदान करने के इरादे से पीपली के लोगों ने ड्रिप सिंचाई पद्धति अपनाई है।

सत्यमेव जयते
Azadi ka Amrit Mahotsav
Har Ghar Jal
Jal Jeevan Mission
Following Pujya Bapu's vision of
Gram Swaraj
Nation-wide Gram Sabha and
Prime Minister Narendra Modiji's
interaction
Pani Samitis
Jal
ssion

मणिपुर

ज़िला	**इम्फ़ाल पश्चिम**
ब्लॉक	**ब्लॉक-I**
गाँव	**यारु बामीदियार**
पानी समिति अध्यक्ष	**श्रीमती लैतनथेम सरोजिनी देवी**

गाँव संबंधी जानकारी

गाँव में कुल मिला कर 527 घर हैं, और जन संख्या 2,645 है। गाँव में जल आपूर्ति के लिए यारू बामीदियार जल आपूर्ति योजना नवंबर 2020 में शुरू हुई। गाँव को 'हर घर जल' बनने का सौभाग्य सितंबर 2021 में प्राप्त हुआ। गाँव के स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र को भी नल से जल की आपूर्ति हो रही है। इस गाँव को सितंबर 2018 में ही ओ.डी.एफ़. घोषित कर दिया गया था। यारू बामीदियार की 5 महिलाओं की टीम नियमित रूप से अपने गाँव के नलकों और जल-स्रोत के पानी की गुणवत्ता की जांच करती है।

जल जीवन मिशन की घोषणा के समय 15 अगस्त, 2019 को यारू बामीदियार के 115 घरों (22%) में ही नल से जल की व्यवस्था थी, मगर वह भी अनियमित थी। शेष परिवारों को पानी के लिए घर से बाहर साझे 'स्टैंड पोस्ट' पर जाना पड़ता था। गाँव की महिलाओं को घर के लिए पानी भरने में घंटों लग जाते थे। मगर अब, जल जीवन मिशन के फलस्वरूप गाँव के सभी घरों में नल से उचित गुणवत्ता का पेयजल नियमित रूप से उपयुक्त मात्रा में उपलब्ध है।

Prime Minister
Gram Sabha and
Narendra Modiji's

तमिल नाडु

ज़िला	**तिरुवन्नमलई**
ब्लॉक	**आर्नी**
गाँव	**वेल्लेरी**
पानी समिति अध्यक्ष	**श्रीमती एस. सुधा**

गाँव संबंधी जानकारी

गाँव में कुल मिला कर 414 घर हैं, और जन संख्या 1,772 है। गाँव में जल आपूर्ति के लिए वेल्लेरी जल आपूर्ति योजना अगस्त 2020 में शुरू हुई। गाँव को 'हर घर जल' बनने का सौभाग्य 13 सितंबर, 2021 को प्राप्त हुआ। गाँव के स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र को भी नल से जल की आपूर्ति हो रही है। इस गाँव को 15 अगस्त, 2017 में ही ओ.डी.एफ़. घोषित कर दिया गया था। वेल्लेरी की 5 महिलाओं की टीम नियमित रूप से अपने गाँव के नलकों और जल-स्रोत के पानी की गुणवत्ता की जांच करती है। ओ.डी.एफ़. और 'हर घर जल' के रूप में प्रमाणीकरण के बाद अब ये गाँव ठोस और तरल कचरा प्रबंधन पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है।

जल जीवन मिशन की घोषणा के समय 15 अगस्त, 2019 को वेल्लेरी गाँव के किसी भी घर में नल से जल की व्यवस्था नहीं थी। गाँव की महिलाओं को पानी भरने घर से बाहर स्थित साझे 'स्टैंड पोस्ट' पर जाना पड़ता था; वहाँ भी पानी कई-कई दिन बाद आता था। ऐसे में ग्रामवासियों को 5-6 दिन तक के लिए पानी जमा करके रखना पड़ता था, क्योंकि किसी को नहीं पता होता था कि पानी की अगली सप्लाई कब आएगी। इस प्रकार पानी लाने में बहुत वक़्त बर्बाद होता था; दिव्यांगजन और बुज़ुर्गों के लिए तो यह सब और भी कठिन होता था। गाँव की महिलाओं को घर के लिए पानी भरने में घंटों लग जाते थे। मगर अब, 'हर घर जल' बन जाने से गाँव के सभी घरों और स्कूल तथा आंगनवाड़ी केंद्र में नल से उचित गुणवत्ता का पेयजल नियमित रूप से उपयुक्त मात्रा में उपलब्ध है।

5 पानी समितियों के अध्यक्षों के साथ प्रधानमंत्री का संवाद

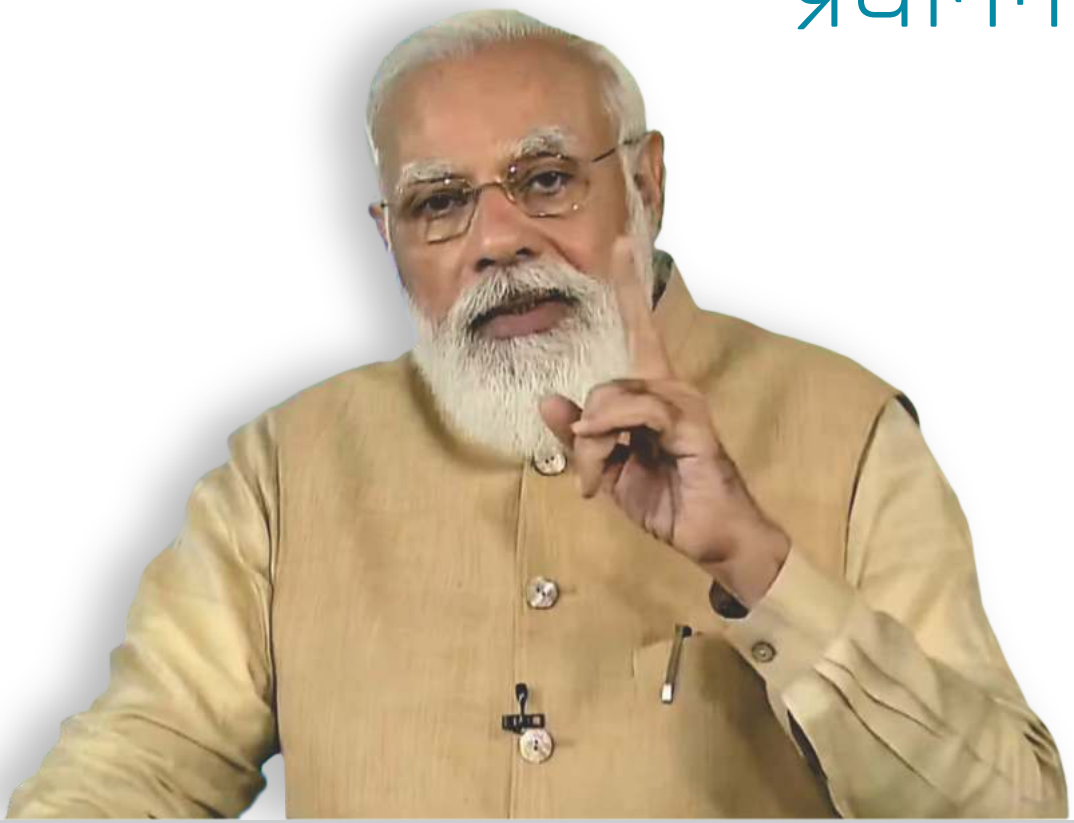

उमरी (बांदा ज़िला, बबेरु ब्लॉक) की पानी समिति के अध्यक्ष **श्री गिरिजा कान्त तिवारी** के साथ प्रधानमंत्री का संवाद

प्रधानमंत्री: तिवारी जी, ये बताइये कि पहले आपके गाँव में पानी की क्या व्यवस्था थी, और अब जल जीवन मिशन के बाद क्या बदलाव आया है?

अध्यक्ष, पानी समिति: माननीय प्रधानमंत्री जी, पहले मेरे गाँव के लोग जलाशयों, कुओं और हैंडपम्प से पानी भरते थे। मगर अब जल जीवन मिशन के तहत गाँव के हर घर में नल से शुद्ध पेयजल मिल रहा है, जिससे गाँव अब पानी से फैलने वाली बीमारियों से मुक्त हो गया है।

प्रधानमंत्री: पानी तो आपके गाँव के हर घर में पहुँच गया है, तो इससे आपके परिवार और गाँव में महिलाओं के जीवन में क्या बदलाव देखने को मिल रहा है?

अध्यक्ष, पानी समिति: घर में नल से शुद्ध जल पहुँचने से महिलाओं को खाना बनाने जैसे कामों में बड़ा आराम मिला है, और उनका समय भी बचता है, जिसका उपयोग वे बच्चों को पढ़ाने में करती हैं; और पुरुषों को भी खेतीबाड़ी के लिए ज़्यादा वक्त मिलता है।

प्रधानमंत्री: गिरिजा कान्त जी, मैं आपको और आपके गाँव के सभी लोगों को बधाई देता हूँ कि आप सबने इस काम के लिए इतना परश्रम किया। बुंदेलखंड की हमारी बहनों-बेटियों को पहले जो समय अपने भविष्य के लिए लगाना चाहिए था, उसमें उन्हें पानी के लिए भटकना पड़ता था। लेकिन अब धीरे-धीरे ये स्थिति बदल रही है। पिछले 6-7 सालों में हमारी यही कोशिश रही है, कि हम अपनी माताओं, बहनों और बेटियों को सशक्त करें, उनकी गरिमा और बढ़ाएँ। उज्ज्वला योजना, महिलाओं के नाम पर पीएम आवास, महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए मुद्रा लोन, और अब जल जीवन मिशन। एक के बाद एक, अनेक कार्यक्रमों की ये शृंखला महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति हमारे संकल्प की परिचायक है, और मैं आप सबको इस संकल्प का साझीदार बनने पर बधाई देता हूँ।

क्यारकुलि भट्टा (देहारादून ज़िला, सहसपुर ब्लॉक) की पानी समिति की अध्यक्षा **श्रीमती कौशल्या रावत** के साथ प्रधानमंत्री का संवाद

प्रधानमंत्री: कौशल्या जी आप अपने गाँव की पानी समिति की अध्यक्षा हैं। बताइये कि पहले पानी के लिए आप लोगों को कितनी परेशानी होती थी, और अब जब कभी पानी से जुड़ी कोई दिक्कत आती होगी तो क्या गाँव के लोग मोर्चा ले कर आपके घर आ जाते हैं?

अध्यक्षा, पानी समिति: माननीय प्रधानमंत्री जी, हमारी ग्राम पंचायत में 7 तोख हैं, जिनमें 366 परिवार हैं। सभी में पहले पानी की बहुत दिक्कत थी, और महिलाएं तथा बच्चे पानी भर-भर कर घर तक लाते थे। लेकिन जल जीवन मिशन लागू होने से अब दिक्कत नहीं है।

प्रधानमंत्री: अब पानी सब घरों में पहुँच गया है?

अध्यक्षा, पानी समिति: जी, माननीय प्रधानमंत्री जी, अब सभी घरों में पानी है।

प्रधानमंत्री: मैं अक्सर कहता हूँ कि पहाड़ का पानी, और पहाड़ की जवानी कभी पहाड़ के काम नहीं आती। गाँव में पहले पानी की वजह से पलायन की स्थिति थी; तब जवान लोग चले जाते थे, अब क्या स्थिति है?

अध्यक्षा, पानी समिति: माननीय प्रधानमंत्री जी, अब जल जीवन मिशन के तहत पहाड़ों का पानी पहाड़ों के ही काम आ रहा है, और हमारी पूरी ग्राम पंचायत में शुद्ध जल मिल रहा है। हमने अपने जल स्रोतों का संरक्षण करने के लिए 22 हज़ार वृक्ष भी लगाए हैं।

प्रधानमंत्री: मुझे बताया गया है कि अब आप लोग गाँव में होमस्टे भी बना रहे हैं। अब पानी पहुंचा है तो ये सब करना और सुविधाजनक हो गया होगा; क्या अनुभव है आपका?

अध्यक्षा, पानी समिति: जी, माननीय प्रधानमंत्री जी, पहले तो पर्यटक नहीं आते थे हमारे गाँव में। लेकिन जबसे जल जीवन मिशन के तहत हर घर में और शौचालयों में नल से जल पहुंचा है तो लोगों ने होमस्टे बनने शुरू कर दिये हैं। हमारी ग्राम पंचायत में लगभग 35 होमस्टे बन चुके हैं जिन्हें ग्रामवासी ही चलाते हैं।

प्रधानमंत्री: क्या आप लोग अपने टूरिस्ट मेहमानों से पूरी जानकारी लिखवाते हैं, किस प्रदेश से आए, आपके होमस्टे में उनके क्या अनुभव रहे, सब लिखवाते हैं क्या उनसे?

अध्यक्षा, पानी समिति: जी।

प्रधानमंत्री: एक रजिस्टर रखना चाहिए, जिसमें आपके होमस्टे में जो भी ठहरे वो जाते वक्त अपने अनुभव लिखे। समय के साथ इस जानकारी से आप लोगों को अपना कारोबार बढ़ाने में बहुत मदद मिलेगी।

अध्यक्षा, पानी समिति: जी, माननीय जी, ऐसा ही करेंगे।

प्रधानमंत्री: कौशल्या जी, आपके गाँव में कोविड टीकाकरण की क्या स्थिति है?

अध्यक्षा, पानी समिति: माननीय प्रधानमंत्री जी, हमारे गाँव में 18 साल से ऊपर के सभी लोगों को टीके की दोनों डोज़ लग चुकी हैं। हमारा गाँव 100% वैक्सीनेट हो चुका है। इसके लिए हमने अपनी ग्राम पंचायत में 15 कैंप भी लगाए।

प्रधानमंत्री: दोनों डोज़ शत प्रति शत हो गए?

अध्यक्षा, पानी समिति: जी, माननीय प्रधानमंत्री जी।

प्रधानमंत्री: वाह, गजब कर दिया आपने! देखिये, योजनाएँ तभी सफल होती हैं, जब उनमें जन भागीदारी होती है। चाहे वो कोविड टीकाकरण हो या जल जीवन मिशन। आपने पानी की ताकत को समझा है। आपने पेड़ भी लगाए, होमस्टे भी बनाए, पानी के फलस्वरूप आपने सुविधाओं का भी विस्तार किया है। पानी से गाँव में एक बहुत बड़ी क्रांति आ गई है। इसके लिए मैं आपको बधाई देता हूँ। आपके गाँव ने तो युवाओं के पलायन तक को रोक दिया है, और पर्यटन को गाँव की ताकत बना दिया है। पहले लोग गाँव छोड़ कर जाते थे, अब उल्टे बाहर के लोग पर्यटक बन कर आपके गाँव में आ रहे हैं। देखिये, पानी जैसी बुनियादी सुविधा केवल जीवन ही नहीं बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी बदलने की ताकत रखती है। आप सभी को बहुत-बहुत बधाई।

पीपली (बनासकांठा ज़िला, पालनपुर ब्लॉक) की पानी समिति के अध्यक्ष **श्री रमेश भाई पटेल** के साथ प्रधानमंत्री का संवाद

प्रधानमंत्री: रमेश भाई, पीने के पानी की क्या व्यवस्था है आपके गाँव में?

अध्यक्ष, पानी समिति: माननीय प्रधानमंत्री जी, हमारे गाँव में 715 घर हैं, जिनमें सभी में पीने का शुद्ध पानी नल से मिल रहा है।

प्रधानमंत्री: आपका गाँव बनासकांठा में पड़ता है, और वहाँ, मैं जनता हूँ, पहले पानी की काफी दिक्कत रही है, तो आपके गाँव में पीने का पानी गुणवत्ता की दृष्टि से कैसा होता है?

अध्यक्ष, पानी समिति: आदरणीय प्रधानमंत्री जी, हमारे गाँव में 5 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है, जो एफ़.टी.के. (फील्ड टैस्ट किट्स) की मदद से समय-समय पर पानी की गुणवत्ता की जांच करती हैं। और इससे पता चलता है कि हमारे गाँव में नल का जल पीने के योग्य है।

प्रधानमंत्री: यानि इन महिलाओं की ट्रेनिंग पूरी हो गई है, क्या वे पानी की रेगुलर चेकिंग करती हैं?

अध्यक्ष, पानी समिति: जी, वे समय-समय पर जांच करती हैं।

प्रधानमंत्री: क्या गाँव वालों को भी पता है कि उनके पानी की समय-समय पर चेकिंग होती है? और, अगर पानी में कोई ख़राबी हो तो आगे क्या करते हैं?

अध्यक्ष, पानी समिति: जी, सर, गाँव वालों को पता है कि समय-समय पर जांच होती है। अभी तक, सर, पानी में कोई ख़राबी नहीं पाई गई है। जो पानी मिल रहा है वो शुद्ध और सही है।

प्रधानमंत्री: आपके गाँव में पानी की सप्लाई के लिए क्या गाँव वाले कोई योगदान भी देते हैं, या सब यूं ही चल रहा है?

अध्यक्ष, पानी समिति: हाँ जी, सर, इस योजना के रखरखाव के खर्च के लिए, सालाना 120 रुपये योगदान के रूप में लिया जाता है।

प्रधानमंत्री: लोग देते हैं?

अध्यक्ष, पानी समिति: जी, सर। सब खुशी-खुशी देते हैं।

प्रधानमंत्री: लेकिन जब चुनाव आएगा तो गाँव के जो लोग चुनाव लड़ेंगे वे कह देंगे कि हम तो पानी मुफ्त कर देंगे?

अध्यक्ष, पानी समिति: सर, पानी मुफ्त देने का वादा करने वाले लोग भूल रहे हैं कि पानी अनमोल है, पानी सीमित मात्रा में है; ऐसे में पानी उपलब्ध भी कराना है और उसके लिए योगदान भी लेना है।

प्रधानमंत्री: बनासकांठा में आप लोगों ने टपक सिंचाई, यानि ड्रिप इरिगेशन को भी बहुत प्रचलित किया है। क्या आप के गाँव के लोगों ने भी इसे अपनाया है?

अध्यक्ष, पानी समिति: जी, आदरणीय प्रधानमंत्री जी, मेरे गाँव के 95% किसान ड्रिप इरिगेशन से जुड़े हुए हैं, जिससे हमारे यहाँ पानी की काफी बचत हो जाती है।

प्रधानमंत्री: इससे तो पानी भी बचता होगा, बिजली भी बचती होगी, और मेहनत भी बचती होगी?

अध्यक्ष, पानी समिति: जी, सर। इससे बहुत अच्छा बदलाव आया है। अब हम ज़्यादा फसलें भी उगा पा रहे हैं, जैसे कि आलू, राई, गेहूं।

प्रधानमंत्री: रमेश भाई, आप तो जानते ही हैं, कि गुजराती में कहावत है कि 'सिद्धि तेने जाई वरे, जे परसेवे नाए'। यानि सफलता उसे ही मिलती है, जो श्रम करता है। आपके गाँव के लोगों ने श्रम किया तो आप लोगों को उसका फल भी मिल रहा है। आप जैसे नागरिकों का श्रम ही हर योजना की शक्ति है। मुझे कल, 'स्वच्छ भारत मिशन- टू पॉइंट ओ' को लॉच करने का अवसर मिला। नागरिकों के श्रम से हमने स्वच्छता के ऐसे लक्ष्य प्राप्त किए हैं, जिन्हें हासिल करने के बारे में पहले सोचा भी नहीं जा सकता था। और, मुझे विश्वास है कि जल जीवन मिशन में भी हमें ऐसे ही परिणाम मिलेंगे।

यारुबामीदियार (इम्फ़ाल पश्चिम ज़िला, ब्लॉक-I ब्लॉक) की पानी समिति की अध्यक्षा **श्रीमती लैतनथेम सरोजिनी देवी** के साथ प्रधानमंत्री का संवाद

प्रधानमंत्री: सरोजिनी जी, नमस्ते। गाँव में हर घर में अब नल से पानी आ रहा है, ऐसे में गाँववाले सब खुश हैं न?

अध्यक्षा, पानी समिति: प्रधानमंत्री जी, नमस्कार। पहले लोग स्टैंडपोस्ट से पानी लाते थे। तब गाँव की महिलाओं को पानी लाने के लिए बहुत लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, और लंबी कतारों में खड़े हो कर भी पानी लेना पड़ता था। लेकिन अब जल जीवन मिशन के तहत गाँव के सभी 527 घरों में सबको नल से साफ पानी मिल रहा है।

प्रधानमंत्री: इतनी कठिनाई से अब आप लोगों को मुक्ति मिली है, तो अब गाँव में कुछ न कुछ बदलाव तो आया ही होगा। तो क्या बदलाव महसूस कर रहे हैं आप लोग?

अध्यक्षा, पानी समिति: माननीय प्रधानमंत्री जी, नल से शुद्ध पानी मिलने और 'ओ.डी.एफ़.' गाँव बनने के बाद अब हमारे गाँव में बीमारियाँ कम हो गई हैं और गाँव साफ़-सुथरा रहता है। हर घर में नल से जल मिलने से महिलाओं को समय की बचत भी होती है। गाँव के सभी स्कूलों, आँगनवाड़ी केन्द्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में भी नल से जल मिल रहा है।

प्रधानमंत्री: आपकी पानी समिति के लोग क्या पानी की क्वालिटी को रेगुलरली चेक करते हैं?

अध्यक्षा, पानी समिति: जी, सर। गाँव में पानी की जांच नियमित रूप से हो रही है, और सरकार की मदद से गाँव की 5 महिला सदस्यों को 'एफ़.टी.के.' के ज़रिये पानी की जांच की ट्रेनिंग भी दी गई है। यही महिला सदस्य समय-समय पर पानी की जांच करती हैं।

प्रधानमंत्री: सरकार के तौर पर हमारी कोशिश रहती है कि हम अपने हर नागरिक को ज़्यादा से ज़्यादा सुविधा दे सकें, उनका जीवन सुगम बना सकें। चाहे वो पूर्वोत्तर हो, या बुंदेलखंड, हमारा निरंतर प्रयास है कि हमारी बहन-बेटियों को अपना समय बर्बाद न करना पड़े। इसी प्रयास में पहले उज्ज्वला योजना के

तहत 9 करोड़ से ज़्यादा रसोई गैस के सिलेन्डर महिलाओं तक पहुंचाए; और अब हम हर घर जल, और वो भी नल से जल पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। हमारी यह भी कोशिश रही है कि हर योजना में पूर्वोत्तर क्षेत्र को बराबर का हिस्सा मिले। और, मुझे संतोष है कि पूर्वोत्तर में बदलाव अब सिर्फ़ कागज़ों में नहीं बल्कि लोगों के जीवन में हो रहा है। इस बदलाव के लिए हम पिछले 6-7 साल से लगातार प्रयास कर रहे हैं, और ये प्रयास आगे भी यूं ही जारी रहेंगे। मणिपुर के सभी भाइयों-बहनों को मेरी शुभ कामनाएँ और धन्यवाद।

वेल्लेरी (तिरुवन्नमलई ज़िला, आर्नी ब्लॉक) की पानी समिति की अध्यक्षा **श्रीमती एस. सुधा** के साथ प्रधानमंत्री का संवाद

प्रधानमंत्री: सुधा जी, अब आपके गाँव के हर घर को नल से जल मिलने लगा है; पहले तो एक भी घर में नल कनेक्शन नहीं था। इससे माताओं-बहनों का कष्ट ज़रूर कम हुआ होगा, आपका क्या अनुभव है?

अध्यक्षा, पानी समिति: माननीय प्रधानमंत्री जी, पहले हमारी गली में केवल दो नलके हुआ करते थे। लेकिन अब जल जीवन मिशन से हमारे गाँव के सभी 412 घरों को नल के द्वारा पीने का पानी मिल रहा है। इसकी वजह से हम सब बहुत खुश हैं।

प्रधानमंत्री: सुधा जी, मैं कई वर्षों से तमिल नाडु आता रहा हूँ, वहाँ के लोगों से मिलता रहा हूँ; और मुझे तमिल नाडु के प्रति हमेशा गर्व रहा है। मुझे पता है कि आपके गाँव का सिल्क बड़ा मशहूर है। उसके बारे में भी कुछ बताइये, ताकि देश में सभी को पता चल सके कि हमारे गांवों में में कितनी ताकत होती है।

अध्यक्षा, पानी समिति: जी, प्रधानमंत्री जी। हमारे यहाँ विश्व-प्रसिद्ध आर्नी सिल्क बनता है, जिससे गाँव के लगभग 20% लोग जुड़े हैं। देशभर में बिकने के साथ ही इस सिल्क का विदेशों को भी निर्यात होता है। इससे हम सभी बड़े प्रसन्न हैं।

प्रधानमंत्री: सुधा जी, अब आपके गाँव में महिलाओं को पानी भरने के काम से मुक्ति मिल गई होगी, तो क्या वे अब आर्नी सिल्क के काम कि लिए ज़्यादा समय दे पा रही हैं? और, इससे क्या उनकी आय बढ़ी है?

अध्यक्षा, पानी समिति: प्रधानमंत्री जी, घर में नल से पानी आने से अब महिलाओं के कष्ट बहुत कम हो गए हैं, और समय की भी बहुत बचत हुई है जिसका वे अन्य कामों में उपयोग कर पातीं हैं। इसके लिए हम आपको बहुत धन्यवाद देते हैं।

प्रधानमंत्री: सुधा जी, आपके गाँव की पानी की समस्या तो हल हो गई, पर पानी के संरक्षण के लिए भी आप लोग कुछ प्रयास कर रहे हैं क्या? क्योंकि तमिल नाडु में पानी का संकट हर बार आता है, वर्षा में भी

उतार-चढ़ाव रहता है; यहाँ तक कि चेन्नई में भी पीने के पानी की दिक्कत होती है कभी-कभी। ऐसे में, पानी के संरक्षण के लिए आप लोग क्या प्रयास कर रहे हैं?

अध्यक्षा, पानी समिति: प्रधानमंत्री जी, हमने इस दिशा में भी काम किया है। हमने 2 चेक डैम्स बनाए हैं, 2 फार्म डैम्स बनाए हैं और गाँव के तालाबों की खुदाई की है, ताकि बारिश का पानी जमा किया जा सके। इस पानी का उपयोग हम गर्मियों में करते हैं।

प्रधानमंत्री: सुधा जी, ऐसे नेक कार्य करने के लिए मैं आपका, और आपके पूरे गाँव का अभिनंदन करता हूँ।

अध्यक्षा, पानी समिति: प्रधानमंत्री जी, इसके लिए तो हम लोग आपको बधाई देना चाहेंगे, क्योंकि आपके प्रयासों से हम सबको बहुत खुशी मिली है, और हमारे जीवन में सुविधा और आराम हो गया है।

प्रधानमंत्री: आप सबने इस योजना (जल जीवन मिशन) को अपना कर महिलाओं का जीवन तो सुगम किया ही है, साथ ही उन्हें सशक्त भी किया है। पानी जैसी बुनियादी सुविधा के लिए आप सबको जो इतना लंबा इंतज़ार करना पड़ा; हमारा प्रयास है कि आगे भविष्य में आप लोगों को और कोई परेशानी न हो। आप सब माताओं-बहनों के आशीर्वाद से हम महिलाओं की बेहतरी के लिए प्रयास निरंतर जारी रखेंगे।

अध्यक्षा, पानी समिति: धन्यवाद, प्रधानमंत्री जी, वणक्कम (नमस्कार)।

ग्राम सभाओं को प्रधानमंत्री का सम्बोधन

आज 2 अक्टूबर का दिन है, देश के 2 महान सपूतों को हम बड़े गर्व के साथ याद करते हैं। पूज्य बापू और लाल बहादुर शास्त्री जी, इन दोनों महान व्यक्तित्वों के हृदय में भारत के गांव ही बसे थे। मुझे खुशी है कि आज के दिन देशभर के लाखों गांवों के लोग 'ग्राम सभाओं' के रूप में जल जीवन संवाद कर रहे हैं। ऐसे अभूतपूर्व और राष्ट्रव्यापी-मिशन को इसी उत्साह और ऊर्जा से सफल बनाया जा सकता है। जल जीवन मिशन का विजन, सिर्फ लोगों तक पानी पहुंचाने का ही नहीं है। ये Decentralisation का- विकेंद्रीकरण का उसका भी एक बहुत बड़ा Movement है। ये Village Driven-Women Driven Movement है। इसका मुख्य आधार, जन आंदोलन और जन भागीदारी है। और आज ये हम इस आयोजन में होते हुए देख रहे हैं।

जल जीवन मिशन को अधिक सशक्त, अधिक पारदर्शी बनाने के लिए आज कई और कदम भी उठाए गए हैं। जल जीवन मिशन ऐप पर इस अभियान से जुड़ी सभी जानकारियां एक ही जगह पर मिल पाएंगी। कितने घरों तक पानी पहुंचा, पानी की क्वालिटी कैसी है, वॉटर सप्लाई स्कीम का विवरण, सब कुछ इस ऐप पर मिलेगा। आपके गांव की जानकारी भी उस पर होगी। गाँव के लोग भी इसकी मदद से अपने यहाँ के पानी की शुद्धता पर बारीक नजर रख पाएंगे।

इस वर्ष पूज्य बापू की जन्मजयंति हम आज़ादी के अमृत महोत्सव के इस महत्वपूर्ण कालखंड में साथ-साथ मना रहे हैं। एक सुखद एहसास हम सभी को है कि बापू के सपनों को साकार करने के लिए देशवासियों ने निरंतर परिश्रम किया है, अपना सहयोग दिया है। आज देश के शहर और गांव, खुद को खुले में शौच से मुक्त घोषित कर चुके हैं। करीब-करीब 2 लाख गांवों ने अपने यहां कचरा प्रबंधन का काम शुरू कर दिया है। 40 हजार से ज्यादा ग्राम पंचायतों ने सिंगल यूज प्लास्टिक को बंद करने का भी फैसला लिया है। लंबे समय तक उपेक्षा की शिकार रही खादी, हैंडीक्राफ्ट की बिक्री अब कई गुना ज्यादा हो रही है। इन सभी प्रयासों के साथ ही, आज देश, आत्मनिर्भर भारत अभियान के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है।

गांधी जी कहते थे कि 'ग्राम स्वराज' का वास्तविक अर्थ आत्मबल से परिपूर्ण होना है। इसलिए मेरा निरंतर प्रयास रहा है कि ग्राम स्वराज की ये सोच, सिद्धियों की तरफ आगे बढ़े। गुजरात में अपने लंबे सेवाकाल के दौरान मुझे ग्राम स्वराज के विजन को ज़मीन पर उतारने का अवसर मिला है। निर्मल गांव के संकल्प के साथ खुले में शौच से मुक्ति, जल मंदिर अभियान के माध्यम से गांव की पुरानी बावड़ियों को पुनर्जीवित करना, ज्योतिर्ग्राम योजना के तहत गांव में 24 घंटे बिजली पहुंचाना, तीर्थग्राम योजना के तहत गांवों में दंगे-फसाद के बदले में सौहार्द को प्रोत्साहन देना, e-ग्राम और ब्रॉडबैंड से सभी ग्राम पंचायतों की कनेक्टिविटी, ऐसे अनेक प्रयासों से गांव और गांवों की व्यवस्थाओं को राज्य के विकास का मुख्य आधार बनाया गया। बीते दो दशकों में, गुजरात को ऐसी योजनाओं के लिए, विशेषकर पानी के क्षेत्र में बेहतरीन काम करने के लिए, राष्ट्रीय भी और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से भी अनेकों अवॉर्ड भी मिले हैं।

2014 में जब देश ने मुझे नया दायित्व दिया तो मुझे गुजरात में ग्राम स्वराज के अनुभवों का, राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार करने

का अवसर मिला। ग्राम स्वराज का मतलब सिर्फ पंचायतों में चुनाव कराना, पंच-सरपंच चुनना, इतना ही नहीं होता है। ग्राम स्वराज का असली लाभ तभी मिलेगा जब गांव में रहने वालों की, गांव के विकास कार्यों से जुड़ी प्लानिंग और मैनेजमेंट तक में सक्रिय सहभागिता हो। इसी लक्ष्य के साथ सरकार द्वारा विशेषकर जल और स्वच्छता के लिए, सवा दो लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि सीधे ग्राम पंचायतों को दी गई है। आज एक तरफ जहां ग्राम पंचायतों को ज्यादा से ज्यादा अधिकार दिए जा रहे हैं, दूसरी तरफ पारदर्शिता का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। ग्राम स्वराज को लेकर केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का एक बड़ा प्रमाण 'जल जीवन मिशन' और 'पानी समितियां' भी है।

मैं तो गुजरात जैसे राज्य से हूं जहां अधिकतर सूखे की स्थिति मैंने देखी है। मैंने ये भी देखा है कि पानी की एक-एक बूंद का कितना महत्व होता है। इसलिए गुजरात का मुख्यमंत्री रहते हुए, लोगों तक जल पहुंचाना और जल संरक्षण, मेरी प्राथमिकताओं में रहे। हमने ना सिर्फ लोगों तक, किसानों तक, पानी पहुंचाया बल्कि ये भी सुनिश्चित किया कि भूजल स्तर बढ़े। ये एक बड़ी वजह रही कि प्रधानमंत्री बनने के बाद मैंने पानी से जुड़ी चुनौतियां पर लगातार काम किया है। आज जो नतीजे हमें मिल रहे हैं, वो हर भारतीय को गर्व से भर देने वाले हैं।

आजादी से लेकर 2019 तक, हमारे देश में सिर्फ 3 करोड़ घरों तक ही नल से जल पहुंचता था। 2019 में जल जीवन मिशन शुरू होने के बाद से, 5 करोड़ घरों को पानी के कनेक्शन से जोड़ा गया है। आज देश के लगभग 80 जिलों के करीब सवा लाख गांवों के हर घर में नल से जल पहुंच रहा है। यानि पिछले 7 दशकों में जो काम हुआ था, आज के भारत ने सिर्फ 2 साल में उससे ज्यादा काम करके दिखाया है। वो दिन दूर नहीं जब देश की किसी भी बहन-बेटी को पानी लाने के लिए रोज़-रोज़ दूर-दूर तक पैदल चलकर नहीं जाना होगा। वो अपने समय का सदुपयोग अपनी बेहतरी, अपनी पढ़ाई-लिखाई, या अपना रोजगार पर उसको शुरू करने में कर पाएंगी।

भारत के विकास में, पानी की कमी बाधा ना बने, इसके लिए काम करते रहना हम सभी का दायित्व है, सबका प्रयास बहुत आवश्यक है। हम अपनी आने वाली पीढ़ियां के प्रति भी जवाबदेह हैं। पानी की कमी की वजह से हमारे बच्चे, अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में ना लगा पाएं, उनका जीवन पानी की किल्लत से निपटने में ही बीत जाए, ये हम नहीं होने दे सकते। इसके लिए हमें युद्धस्तर पर अपना काम जारी रखना होगा। आजादी के 75 साल बहुत समय बीत गया, अब हमें बहुत तेजी करनी है। हमें ये सुनिश्चित करना होगा कि देश के किसी भी हिस्से में 'टैंकरों' या 'ट्रेनों' से पानी पहुंचाने की फिर नौबत न आए।

मैंने पहले भी कहा है कि पानी का उपयोग हमें प्रसाद की तरह करना चहिए। लेकिन कुछ लोग पानी को प्रसाद नहीं, बहुत ही सहज सुलभ मानकर उसे बर्बाद करते हैं। वो पानी का मूल्य ही नहीं समझते। पानी का मूल्य वो समझता है, जो पानी के अभाव में जीता है। वही जानता है, एक-एक बूंद पानी जुटाने में कितनी मेहनत करनी पड़ती है। मैं देश के हर उस नागरिक से कहूंगा जो पानी की प्रचुरता में रहते हैं, मेरा उनसे आग्रह है कि आपको पानी बचाने के ज्यादा प्रयास करने चाहिए। और निश्चित तौर पर इसके लिए लोगों को अपनी आदतें भी बदलनी ही होंगी। हमने देखा है, कई जगह नल से पानी गिरता रहता है, लोग परवाह नहीं करते। कई लोग तो मैंने ऐसे देखे हैं जो रात में नल खुला छोड़कर उसके नीचे बाल्टी उलट कर रख देते हैं। सुबह जब पानी आता है, बाल्टी पर गिरता है, तो उसकी आवाज उनके लिए मॉर्निंग अलार्म का काम करती है। वो ये भूल जाते हैं कि दुनिया भर में पानी की स्थिति कितनी अलार्मिंग होती जा रही है।

मैं 'मन की बात में', अक्सर ऐसे महानुभावों का जिक्र करता हूं, जिन्होंने जल संरक्षण, जल संचयन को अपने जीवन का सबसे बड़ा मिशन बनाया हुआ है। ऐसे लोगों से भी सीखा जाना चाहिए, प्रेरणा लेनी चाहिए। देश के अलग-अलग कोनों में अलग-अलग प्रोग्राम होते हैं, उसकी जानकारी हमें अपने गांव में काम आ सकती है। आज इस कार्यक्रम से जुड़ी देश भर की ग्राम पंचायतों से भी मेरा आग्रह है, गांव में पानी के स्रोतों की सुरक्षा और स्वच्छता के लिए जी-जान से काम करें। बारिश के पानी को बचाकर, घर में उपयोग से निकले पानी का खेती में इस्तेमाल करके, कम पानी वाली फसलों को बढ़ावा देकर ही हम अपने लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं।

देश में बहुत से क्षेत्र ऐसे हैं जहां प्रदूषित पानी की दिक्कत है, कुछ क्षेत्रों में पानी में आर्सेनिक की मात्रा अधिक होती है। ऐसे क्षेत्रों में हर घर में पाइप से शुद्ध जल पहुंचना, वहां के लोगों के लिए जीवन को मिले सबसे बड़े आशीर्वाद की तरह है। एक समय, इन्सिफ़ेलाइटिस-दिमागी बुखार से प्रभावित देश के 61 जिलों में नल कनेक्शन की संख्या सिर्फ 8 लाख थी। आज ये बढ़ कर 1 करोड़ 11 लाख से ज्यादा हो गई है। देश के जो जिले विकास की दौड़ में सबसे पीछे रह गए थे, जिन जिलों में विकास की एक अभूतपूर्व आकांक्षा है, वहां प्राथमिकता के आधार पर हर घर जल पहुंचाया जा रहा है। आकांक्षी जिलों में अब नल कनेक्शन की संख्या 31 लाख से बढ़ कर 1 करोड़ 16 लाख से ज्यादा हो गई है।

आज देश में पीने के पानी की सप्लाई ही नहीं, पानी के प्रबंधन और सिंचाई का एक व्यापक इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा करने को लेकर भी बड़े स्तर पर काम चल रहा है। पानी के प्रभावी प्रबंधन के लिए

पहली बार जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत पानी से जुड़े अधिकतर विषय लाए गए हैं। मां गंगा जी के साथ-साथ दूसरी नदियों के पानी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए स्पष्ट रणनीति के साथ काम चल रहा है।

अटल भूजल योजना के तहत देश के 7 राज्यों में ग्राउंडवॉटर लेवल को ऊपर उठाने के लिए काम हो रहा है। बीते 7 सालों में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत pipe irrigation और micro irrigation पर भी बहुत बल दिया गया है। अब तक 13 लाख हेक्टेयरर से अधिक ज़मीन को माइक्रो इरिगेशन के दायरे में लाया जा चुका है। Per Drop More Crop इस संकल्प को पूरा करने के लिए अनेक ऐसे प्रयास चल रहे हैं।

लंबे समय से लटकी सिंचाई की 99 बड़ी परियोजनाओं में से लगभग आधी पूरी की जा चुकी हैं और बाकियों पर तेज़ी से काम चल रहा है। देशभर में डैम्स की बेहतर मैनेजमेंट और उनके रख-रखाव के लिए हज़ारों करोड़ रुपए से एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत 200 से अधिक डैम्स को सुधारा जा चुका है। कुपोषण के खिलाफ लड़ाई में भी पानी की बहुत बड़ी भूमिका है। हर घर जल पहुंचेगा तो बच्चों का स्वास्थ्य भी सुधरेगा।

हमारे यहां कहा गया है -

उप-कर्तुम् यथा सु-अल्पम्, समर्थो न तथा महान् |
प्रायः कूपः तृषाम् हन्ति, सततम् न तु वारिधिः ||

यानि, पानी का एक छोटा सा कुआं, लोगों की प्यास बुझा सकता है जबकि इतना बड़ा समंदर ऐसा नहीं कर पाता है। ये बात कितनी सही है! कई बार हम देखते हैं कि किसी का छोटा सा प्रयास, बहुत से बड़े फैसलों से भी बड़ा होता है। आज पानी समिति पर भी यही बात लागू होती है। जल व्यवस्था की देखरेख और जल संरक्षण से जुड़े काम भले ही पानी समिति, अपने गांव के दायरे में करती है, लेकिन इसका विस्तार बहुत बड़ा है। ये पानी समितियां, गरीबों-दलितों-वंचितों-आदिवासियों के जीवन में बहुत बड़ा बदलाव ला रही हैं।

जिन लोगों को आजादी के बाद, 7 दशकों तक नल से जल नहीं मिल पाया था, छोटे से नल ने उनकी दुनिया ही बदल दी है। और ये भी गर्व की बात है कि जल जीवन मिशन के तहत बन रही 'पानी समितियों' में 50 प्रतिशत सदस्य अनिवार्य रूप से महिलाएं ही होती हैं। ये देश की उपलब्धि है कि

इतने कम समय में करीब साढ़े 3 लाख गांवों में 'पानी समितियां' बन चुकी हैं। अभी कुछ देर पहले हमने जल जीवन संवाद के दौरान भी देखा है कि इन पानी समितियां में गांव की महिलाएं कितनी कुशलता से काम कर रही हैं। मुझे खुशी है की गांव की महिलाओं को, अपने गांव के पानी की जांच के लिए विशेष तौर पर ट्रेनिंग भी दी जा रही है।

भारत का विकास, गांवों के विकास पर ही निर्भर है। गांव में रहने वाले लोगों, युवाओं-किसानों के साथ ही सरकार ऐसी योजनाओं को प्राथमिकता दे रही है, जो भारत के गांवों को और ज्यादा सक्षम बनाएं। जल जीवन मिशन के लिए भी जो 3 लाख 60 हजार करोड़ की व्यवस्था की गई है, वो गांवों में ही खर्च की जाएगी। यानि ये मिशन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती देने के साथ ही, गांवों में रोजगार के अनेकों नए अवसर भी बनाएगा।

हमने दुनिया को दिखाया है कि हम भारत के लोग, दृढ़ संकल्प के साथ, सामूहिक प्रयासों से कठिन से कठिन लक्ष्य को भी हासिल कर सकते हैं। हमें एकजुट होकर इस अभियान को सफल बनाना है। जल जीवन मिशन जल्द से जल्द अपने लक्ष्य तक पहुंचे, इसी कामना के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं !

धन्यवाद !

राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में आयोजित ग्राम सभाओं की मुख्य बातें

आंध्र प्रदेश

राज्य की सभी ग्राम पंचायतों में 2 अक्टूबर, 2021 को ग्राम सभाएं आयोजित की गईं, जिनमें ग्रामवासियों ने अपने गाँव में सुनिश्चित पेयजल आपूर्ति तथा बेहतर स्वच्छता हासिल करने के उपायों पर चर्चा की, ताकि गाँव को 'WASH-प्रबुद्ध' बनाया जा सके। ग्राम सभाओं में गाँव की पानी समिति और पंचायत सदस्यों के अलावा स्थानीय विधायक तथा ग्रामीण जल आपूर्ति और स्वच्छता से जुड़े अधिकारी भी शामिल हुए।

इस अवसर पर, पानी समितियों के अध्यक्षों ने जल जीवन मिशन के उद्देश्यों, गाँव के भीतर स्थापित जल आपूर्ति प्रणाली की प्लानिंग, कार्यान्वयन, प्रचालन और रखरखाव में ग्रामवासियों की भूमिका पर प्रकाश डाला तथा 'ग्राम कार्य योजना' के महत्व को समझाया। ग्राम सभाओं ने हाल में गठित पानी समितियों को स्वीकृति प्रदान की तथा उनके बैंक खाते खोलने के लिए प्रस्ताव पारित किए। गुंटूर और कृष्णा ज़िलों में क्रमशः 68 और 164 गांवों को 'हर घर जल' घोषित किया गया। समूचे आंध्र प्रदेश में ग्राम सभाओं ने संकल्प किया कि वे जल और स्वच्छता से जुड़े मसलों पर कार्य जारी रखेंगे, ताकि उनके गाँव 'WASH-प्रबुद्ध गाँव' बन सकें।

असम

असम में ग्राम सभाओं ने अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया, जैसे कि शेष गांवों में पानी समितियों का गठन, जल के उपयोग के लिए ग्रामवासियों द्वारा योगदान, एफ़.टी.के. के ज़रिये पेयजल की गुणवत्ता की जांच, और नल से मिलने वाले शुद्ध पेयजल का महत्व, आदि। अनेक ग्राम सभाओं में 'सिंगल यूज़ प्लास्टिक' के इस्तेमाल के कारण गांवों में फैल रहे प्रदूषण पर चिंता प्रकट की गई। व्यापक जन भागीदारी से आयोजित इन ग्राम सभाओं में अनेक प्रस्ताव भी पारित किए गए, जो गांवों के भीतर स्थित जल आपूर्ति प्रणालियों को बेहतर बनाने, गाँव की महिलाओं को पेयजल की गुणवत्ता की जांच के लिए प्रशिक्षण लेने के लिए प्रोत्साहित करने, प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन, ग्रामवासियों द्वारा व्यक्तिगत स्वच्छता का विशेष ध्यान रखे जाने और गांवों को साफ़-सुथरा रखने से संबन्धित थे।

ग्राम सभाओं ने अपने-अपने गाँव को 'WASH-प्रबुद्ध गाँव' बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किए। कुछ गांवों में ग्राम सभाओं ने 'सिंगल यूज़ प्लास्टिक' के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने, प्लास्टिक का कचरा बिखेरने और प्लास्टिक की चीजों के जलाए जाने पर रोक लगाने संबंधी प्रस्ताव भी अपनाए। इन ग्राम सभाओं ने 'सिंगल यूज़ प्लास्टिक' से व्यक्तिगत स्वास्थ्य और पर्यावरण को होने वाले नुकसान से ग्रामीण समाज को अवगत कराने के लिए गाँव में सूचना और प्रचार अभियान चलाने का भी संकल्प किया।

गुजरात

पानी के विवेकपूर्ण उपयोग और सभी ग्रामीण घरों को नल से जल पहुंचाने के विषयों को ले कर गुजरात में 13,277 ग्राम सभाएं आयोजित की गईं, जिनमें 5,36,709 ग्रामवासी शामिल हुए। ग्राम सभाओं ने पानी के विवेकपूर्ण उपयोग पर विशेष रूप से ध्यान केन्द्रित किया, ताकि पानी की बचत की जा सके और उसे नल के ज़रिये गांवों के प्रत्येक घर तक पहुंचाया जा सके। ग्राम सभा और ग्राम पंचायत के सदस्यों के अलावा इन सभाओं में ब्लॉक और ज़िला स्तर के अधिकारियों के साथ ही गुजरात जल आपूर्ति विभाग के अधिकारी भी शामिल हुए। जल आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने ग्राम सभाओं को पेयजल की गुणवत्ता के महत्व और उसके विभिन्न पहलुओं के साथ ही जल गुणवत्ता की नियमित जांच किए जाने की आवश्यकता से भी अवगत कराया। ब्लॉक और ज़िला स्तर के अधिकारियों तथा ग्राम पंचायत के सदस्यों ने ग्राम सभाओं को जल उपयोग के लिए नियमित रूप से योगदान करने के महत्व को समझाया ताकि गाँव के भीतर स्थित जल आपूर्ति प्रणाली को भलीभाँति चालू रखा जा सके और उसका रखरखाव किया जा सके ताकि गाँव वालों को बढ़िया जल आपूर्ति सेवा मिलती रहे।

हरियाणा

2 अक्टूबर, 2021 को हरियाणा में 5,727 पानी समितियों की बैठकें आयोजित की गई, जिनमें जल जीवन मिशन के तहत गांवों के भीतर स्थापित की जा रही जल आपूर्ति प्रणालियों के प्रचालन और रखरखाव के विभिन्न पहलुओं के साथ ही जल संरक्षण के लिए की जाने वाली गतिविधियों के बारे में भी विचार-विमर्श किया गया। ग्राम सभाओं में 2,86,350 लोगों ने हिस्सा लिया।

इससे पहले, राज्यव्यापी अभियान के तहत जल जीवन मिशन के बारे में जागरूकता फैलाने, जल गुणवत्ता के महत्व और ग्राम-स्तर पर उसकी नियमित जांच की आवश्यकता तथा गाँव के भीतर की जल आपूर्ति प्रणाली के बुनियादी ढांचे के प्रबंधन के बारे में समझाने के लिए अनेक आई.ई.सी. गतिविधियां चलाई गई। गांधी जयंती से पहले के हफ्ते के दौरान गाँव-गाँव में लगातार प्रचार किया जाता रहा कि 2 अक्टूबर को ग्राम सभाएं आयोजित की जाएँ। जल जीवन मिशन से जुड़ी 'कार्यान्वयन सहयोग एजेंसियों' द्वारा चलाई गई गतिविधियों तथा ब्लॉक संसाधन केन्द्रों, आदि में आयोजित आई.ई.सी. गतिविधियों में लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

हिमाचल प्रदेश

राज्य में आयोजित 2,505 ग्राम सभाओं में लगभग 1 लाख 65 हज़ार लोग शामिल हुए। मुख्य रूप से गांवों की नल से जल आपूर्ति योजनाओं, जल-स्रोत के सुदृढीकरण और गांवों में कचरा प्रबंधन जैसे मसलों पर चर्चा हुई। ग्राम सभाओं ने संकल्प किया कि वे अपने-अपने गाँव की 'ग्राम कार्य योजना' को लागू करने में और सक्रियता से भाग लेंगी।

झारखंड

जल जीवन मिशन पर विचार-विमर्श करने के लिए आयोजित ग्राम सभाओं में 19,560 गांवों के 23 लाख से ज़्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। राज्य में इस अवसर पर ग्रामवासियों में भारी जोश देखने को मिला। जिन गांवों में पानी समितियां गठित हो चुकी हैं, वहाँ इन्हें और मजबूत करने पर विचार किया गया। जिन गांवों में अभी इन समितियों का गठन किया जाना है, उनमें इन समितियों में शामिल किया जाने वाले सदस्यों के नामों पर चर्चा हुई। कुछ गांवों में, जहां ग्राम कार्य योजनाओं को अब तक मंजूरी नहीं मिल पाई थी, वहाँ इन कार्य योजनाओं को विचार-विमर्श के पश्चात स्वीकृति प्रदान कर दी गई। ग्राम सभाओं ने कई अन्य विषयों पर भी चर्चा की, जैसे कि पेयजल स्रोत सुदृढीकरण, 'ग्रेवॉटर' के शोधन के लिए सोख्ता गड्ढों का निर्माण तथा सरकारी कार्यक्रमों के अंतर्गत उपलब्ध वे धनराशियां जिनका सम्मिलन पेयजल स्रोत सुदृढीकरण और स्वच्छता संबंधी कार्यों के लिए किया जा सकता है, आदि।

इस आयोजन के पहले के हफ्तों में राज्य के पेयजल और स्वच्छता विभाग तथा ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग ने मिल कर ग्रामवासियों को 2 अक्टूबर को होने वाली ग्राम सभाओं के उद्देश्यों और महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए आई.ई.सी. गतिविधियां चलाईं। राज्य के विभिन्न ज़िलों ने जल गुणवत्ता निगरानी और चौकसी पर अभियान चलाया तथा जल गुणवत्ता रथ भी रवाना किया, जिसके ज़रिये जल और स्वास्थ्य के आपसी संबंध, जल गुणवत्ता की प्रयोगशालाओं में जांच करने के लिए पानी के नमूने लेने की प्रक्रिया तथा जल गुणवत्ता प्रयोगशालाओं से जुड़ी अन्य जानकारी प्रचारित की गई।

झारखंड में ग्राम सभाओं ने संकल्प लिया कि सभी ग्रामवासी अपने पेयजल स्रोतों की रक्षा करेंगे और उनका संवर्धन करेंगे तथा गाँव के भीतर स्थित जल आपूर्ति प्रणाली के सुचारु प्रचालन और रखरखाव के लिए मिलजुल कर काम और योगदान करेंगे।

कर्नाटक

राज्य के ग्रामवासियों ने बड़े उत्साह के साथ गांधी जयंती के दिन आयोजित ग्राम सभाओं में हिस्सा लिया, और जल जीवन मिशन के विभिन्न पहलुओं पर विचारों का आदान-प्रदान किया। कुल 5,984 ग्राम पंचायतों में से 5,900 ग्राम पंचायतों ने ग्राम सभाओं का आयोजन किया। सभी ग्राम सभाओं में पंचायत अध्यक्ष के साथ ही सभी पंचायत सदस्य, पंचायत विकास अधिकारी, पंचायत सचिव, पानी समिति के सदस्य, ब्लॉक और ज़िला-स्तर के अधिकारियों के साथ ही सम्बद्ध विभागों के अधिकारी भी शामिल हुए। विजयपुरा ज़िले में ग्रामवासियों ने अपने गाँव की 'रिसोर्स मैपिंग' की तथा महिलाओं ने एफ़.टी.के. द्वारा गाँव के पेयजल की गुणवत्ता की जांच की। अनेक ग्राम पंचायातों ने इस अवसर पर 'ग्रेवॉटर' और ठोस कचरा प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। कुछ ग्राम पंचायतों में ठोस कचरा प्रबंधन इकाइयों को आगे के प्रचालन के लिए एस.एच.जी. समूहों को सौंपा गया। अनेक ग्राम पंचायतों में राज्य और राष्ट्रीय-स्तर के निर्वाचित प्रतिनिधियों ने भी ग्राम सभाओं की बैठकों में भाग लिया।

केरल

राज्य की सभी ग्राम पंचायतों ने 2 अक्टूबर, 2021 को ग्राम सभाओं का आयोजन किया। इनमें मुख्य रूप से जल जीवन मिशन के 'सुनिश्चित सर्विस डिलिवरी' और ग्रामीण समुदाय के लिए उत्पन्न होने वाले रोज़गार के अवसरों से जुड़े पहलुओं पर चर्चा हुई। स्थानीय युवाओं को प्रेरित किया गया कि वे गांवों की जल आपूर्ति सेवाओं के प्रबंधन में सहयोग के लिए प्लम्बर, पम्प ऑपरेटर और फ़िटर, आदि बनने संबंधी ट्रेनिंग लें। जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन में ग्राम पंचायतों और पानी समितियों की भूमिका और उत्तरदायित्वों, तथा पानी समितियों में महिलाओं और पिछड़े तथा कमज़ोर वर्गों को समुचित संख्या में शामिल किए जाने पर भी विस्तार से चर्चा की गई। ग्राम सभाओं में केरल जल प्राधिकरण तथा केरल ग्रामीण जल आपूर्ति और स्वच्छता एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा जल जीवन मिशन के तहत तैनात कार्यान्वयन सहयोग एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया।

कोविड महामारी की चिंताओं के बीच ये ग्राम सभाएं ऑनलाइन आयोजित की गईं। लेकिन 40 ग्राम पंचायतों ने वास्तविक लोगों की उपस्थिति से सामान्य रूप वाली ग्राम सभाओं का आयोजन किया।

लद्दाख

लेह ज़िले में 59 ग्राम सभाएं आयोजित की गईं जिनमें 1,475 लोगों ने हिस्सा लिया। कर्गिल ज़िले में 36 ग्राम सभाओं में 900 लोग शामिल हुए। गांवों के भीतर की जल आपूर्ति प्रणालियों के प्रचालन और रखरखाव तथा जल जीवन मिशन के तहत जल संरक्षण संबंधी गतिविधियों पर इन ग्राम सभाओं में विशेष रूप से चर्चा हुई। अनेक गांवों में ग्राम सभाओं के पश्चात स्वच्छता अभियान भी चलाया गया।

मणिपुर

2 अक्टूबर, 2021 को राज्य के प्रत्येक ज़िले में ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। इनमें 38,451 व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। ग्राम सभाओं ने पानी समितियों की भूमिका और ज़िम्मेदारियों, उनके कार्य को और सुगम बनाने तथा जल प्रबंधन में महिलाओं को और ज़्यादा भूमिका दिये जाने जैसे मसलों पर मुख्य रूप से चर्चा की। पंचायत सदस्यों ने ग्रामवासियों को 'सुनिश्चित सर्विस डिलीवरी', जल-स्रोत संवर्धन, और 'ग्रेवॉटर' प्रबंधन के महत्व, आदि के बारे में जागरूक किया। ग्राम सभाओं ने जल-स्रोत सुदृढीकरण, गाँव के भीतर स्थित जल आपूर्ति प्रणाली के प्रचालन और रखरखाव तथा ठोस और तरल कचरा प्रबंधन के बुनियादी ढांचे की स्थापना के लिए ग्राम कार्य योजनाओं पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया। पंचायत के सदस्यों ने 'ग्रेवॉटर' प्रबंधन, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, बायोडीग्रेडेबल कचरा प्रबंधन और फ़ीकल स्लज प्रबंधन के बारे में ग्रामवासियों को जागरूक करने के लिए आई.ई.सी. सामग्री भी वितरित की। ग्राम सभाओं में पानी समिति के सदस्यों के साथ ही ब्लॉक और ज़िला-स्तर के अधिकारियों तथा जल जीवन मिशन के तहत तैनात कार्यान्वयन सहयोग एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। आयोजन से पहले प्रचार वाहनों के माध्यम से ग्रामवासियों को इन ग्राम सभाओं के आयोजन और उद्देश्यों के बारे में सूचित किया गया। इससे लोगों में उत्सुकता बढ़ी और उन्होंने इन सभाओं में बड़ी संख्या में भाग लिया। 2 अक्टूबर को मणिपुर के 38 गांवों को 'हर घर जल' घोषित किया गया।

मेघालय

राज्य में आयोजित 921 ग्राम सभाओं में 13,129 लोगों ने हिस्सा लिया। 2 अक्टूबर, 2021 के लिए आयोजित इस कार्यक्रम से पहले राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई द्वारा विशेष रूप से तैयार की गई आई.ई.सी. सामग्री को राज्य जल जीवन मिशन के फ़ेसबुक पेज पर डाल दिया गया था: (https://www.facebook.com/Jaljeevanmissionmeghalaya). ग्राम सभाओं के आयोजन के बारे में ग्रामवासियों में जागरूकता जगाने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का प्रचार समाचार पत्रों और रेडियो चैनलों के माध्यम से भी किया गया। इस अवसर पर मेघालय के 131 गांवों को 'हर घर जल' घोषित किया गया।

मिज़ोरम

मिज़ोरम में आयोजित 437 ग्राम सभाओं में 11,167 लोगों ने हिस्सा लिया। जन प्रतिनिधियों के अलावा इन सभाओं में ज़िला और राज्य-स्तर के अधिकारी भी शामिल हुए। ग्राम सभाओं ने जल-स्रोत सुदृढीकरण, गाँव के भीतर स्थित जल आपूर्ति प्रणाली के प्रचालन और रखरखाव तथा ठोस और तरल कचरा प्रबंधन के बुनियादी ढांचे की स्थापना के लिए ग्राम कार्य योजनाओं पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया। अनेक गांवों में ग्राम सभाओं के पश्चात स्वच्छता अभियान भी चलाया गया।

इस दिन राज्य के 203 गांवों को 'हर घर जल' घोषित किया गया।

नागालैंड

नागालैंड के 11 जिलों में 437 ग्राम सभाएं आयोजित की गईं, जिनमें 3,562 ग्राम सभा सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इन सभाओं में मुख्यतः गाँव से जुड़ी जल, स्वच्छता और व्यक्तिगत साफ़-सफ़ाई संबंधी चिंताओं पर विचार किया गया। ग्राम सभाओं ने जल जीवन मिशन के 'सुनिश्चित सर्विस डिलीवरी' और उससे गांवों में उत्पन्न होने वाले रोज़गार के अवसरों से जुड़े पहलुओं पर भी चर्चा की। इसके अलावा, ग्राम सभाओं ने जल-स्रोत सुदृढीकरण, गाँव के भीतर स्थित जल आपूर्ति प्रणाली के प्रचालन और रखरखाव तथा ठोस और तरल कचरा प्रबंधन के बुनियादी ढांचे की स्थापना के लिए ग्राम कार्य योजनाओं पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया। राज्य ने 2023 तक प्रत्येक ग्रामीण घर में नल से जल पहुंचा देने की योजना बनाई है।

ओड़ीशा

राज्य में मौजूद कुल 6,798 ग्राम सभाओं में से 2 अक्टूबर, 2021 को 6,529 ग्राम सभाएं बुलाई गईं, जिनमें लगभग 4 लाख लोग शामिल हुए। गाँव के भीतर स्थित जल आपूर्ति प्रणाली की प्लानिंग, कार्यान्वयन तथा प्रचालन और रखरखाव से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर इन सभाओं में विचार-विमर्श किया गया। सम्बद्ध सरकारी विभागों के अधिकारियों के अलावा विधायकों, ज़िला परिषद के अध्यक्षों, पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों और स्व-सहायता समूहों के सदस्यों ने भी इन सभाओं में हिस्सा लिया। जगतसिंहपुर ज़िले में जल जीवन मिशन के बारे में जन जागरूकता पैदा करने के लिए 3 'जल रथ' रवाना किए गए।

पंजाब

जल जीवन संवाद के दिन पंजाब ने 690 गांवों में ग्राम सभाएं आयोजित कीं, जिनमें लगभग 40,000 लोग शामिल हुए। गाँव के भीतर की जल आपूर्ति प्रणालियों के कुशल प्रबंधन, 'सर्विस डिलीवरी' को बेहतर बनाने तथा 'ग्रेवॉटर' प्रबंधन पर इनमें विस्तार से चर्चा हुई। सभाओं में उपस्थित लोगों को जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन पर बनाई गई वीडियो भी दिखाई गई।

पानी समिति के सदस्यों ने जल गुणवत्ता जांच करने की पद्धति से भी लोगों को अवगत कराया और गाँव के पानी की जांच संबंधी रिपोर्ट भी साझा की। ग्राम सभाओं ने समापन अवसर पर यह संकल्प लिया कि सभी ग्रामवासी पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करेंगे।

इस अवसर पर ग्राम सभा के वरिष्ठ लोगों ने समाज सेवा करने के लिए पंचायत सदस्यों को सम्मानित भी किया। इन सभाओं में जल आपूर्ति और स्वच्छता विभाग, ग्रामीण विकास और पंचायत विभाग तथा महिला और बल कल्याण विभाग के अधिकारियों तथा जल जीवन मिशन के तहत तैनात कार्यान्वयन सहयोग एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया।

राजस्थान

2 अक्टूबर, 2021 के दिन राज्य में 9,660 ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। धौलपुर, अलवर, प्रतापगढ़ और उदयपुर ज़िलों में जारी पंचायत चुनावों के कारण वहाँ ग्राम सभाएं नहीं कराई गईं। शेष सभी 29 ज़िलों में सभी ग्राम पंचायतों ने ग्राम सभाओं का आयोजन किया। इस सभाओं में मुख्यतः जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन तथा पानी समितियों की भूमिका पर विचार-विमर्श किया गया। सभी ग्राम सभाओं ने जल जीवन मिशन से जुड़े कार्यों को शीघ्रता से पूरा कर लिए जाने की उम्मीद और तत्परता दिखाई; साथ ही उन्होंने ग्राम कार्य योजना, कौशल विकास और नल से मिल रहे जल की गुणवत्ता की निगरानी के प्रति भी अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की।

सिक्किम

राज्य में आयोजित ग्राम सभाओं में मुख्य रूप से गाँव के भीतर स्थित जल आपूर्ति प्रणालियों के प्रबंधन, जल गुणवत्ता की जांच, जल-स्रोत सुदृढीकरण और स्वच्छता पर चर्चा की गई। इस अवसर पर 185 ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। सभाओं ने संकल्प लिया कि वे अपने जल-स्रोतों का हर प्रकार से संरक्षण और संवर्धन करेंगी।

त्रिपुरा

त्रिपुरा में सभी 1,178 ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। इनमें ग्राम पंचायतों के निर्वाचित सदस्यों के साथ ही ब्लॉक-स्तर के अधिकारियों तथा पेयजल और स्वच्छता तथा पंचायती राज विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। ग्रामीण समाज में इन सभाओं को ले कर बड़ा उत्साह था और उन्होंने इन सभाओं में बड़ी संख्या में भाग लिया तथा अपने गाँव की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर गहराई से विचार-विमर्श किया। पंचायत के सदस्यों ने ग्राम सभा में शामिल लोगों को जल जीवन मिशन- हर घर जल के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा गाँव के भीतर स्थापित जल आपूर्ति व्यवस्था के पूरे बुनियादी ढांचे की प्लानिंग, कार्यान्वयन तथा उसके प्रचालन और रखरखाव में समुदाय की निर्णायक भूमिका के महत्व पर प्रकाश डाला। ग्राम सभा में उपस्थित ग्रामवासियों को पानी समिति की भूमिका और ज़िम्मेदारियों के बारे में भी बताया गया, और यह भी जानकारी दी गई कि किस प्रकार गाँव की 5 महिला सदस्यों की एक चौकसी समिति गाँव में लगे नलकों से मिल रहे पानी की गुणवत्ता की समय-समय पर एफ़.टी.के. द्वारा जांच करती रहेगी ताकि ग्रामवासियों को नल से हमेश शुद्ध पानी सुनिश्चित किया जा सकेगा।

उत्तराखंड

2 अक्टूबर, 2021 के दिन राज्य के सभी 13 ज़िलों में कुल मिला कर 7,204 ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। इन सभाओं में ग्रामवासियों ने अपने गांवों में जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन, ग्राम कार्य योजना को तैयार करने की प्रक्रिया और उसे किस तरह प्रभावकारी तरीके से लागू किया जाए तथा किस प्रकार गाँव के पेयजल की शुद्धता को बनाए रखा जाए, ऐसे विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचारों का आदान-प्रदान किया। पानी समितियों ने गाँव के भीतर स्थित जल आपूर्ति प्रणाली के प्रचालन और रखरखाव तथा सुनिश्चित सर्विस डिलीवरी प्रदान करने में अपनी भूमिका पर भी विचार-विमर्श किया। गांवों के पेयजल स्रोतों के सुदृढीकरण और संवर्धन के बारे में भी ग्राम सभाओं ने चर्चा की।

जिन गांवों में जल आपूर्ति प्रणालियाँ अभी प्लानिंग के ही चरण में हैं वहाँ सरपंचों ने ग्रामवासियों को योजना के विभिन्न पहलुओं के बारे में अवगत कराया। उन्होंने गाँव के भीतर स्थापित की जा रही जल आपूर्ति प्रणाली के बुनियादी ढांचे की लागत के लिए गाँव के लोगों द्वारा (नकद, वस्तुओं या श्रमदान के रूप में) 5% योगदान करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। ग्रामवासियों ने जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन में भागीदार बनने तथा जल उपयोग के लिए अंशदान करने के प्रति भी उत्सुकता प्रकट की।

उत्तर प्रदेश

गांधी जयंति के दिन जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन पर विचार-विमर्श करने के लिए उत्तर प्रदेश के 4,005 गांवों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। इनमें ग्रामवासियों ने नल से जल प्रदान करने के इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर शामिल होने का संकल्प व्यक्त किया। बंदा ज़िले के बबेरु ब्लॉक की ग्राम पंचायत उमरी में आयोजित विशेष ग्राम सभा को प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी के साथ विडियो लिंक के ज़रिये संवाद करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इसमें प्रधानमंत्री ने ग्राम प्रधान से जानकारी ली कि उनकी ग्राम पंचायत में स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन लागू होने के बाद स्वच्छता और साफ़-सफ़ाई की स्थिति में क्या-क्या बदलाव आए हैं।

3,279 ग्राम सभाओं में आई.ई.सी. गतिविधियों का भी आयोजन किया गया जिनमें 1 लाख से ज़्यादा ग्रामवासियों ने हिस्सा लिया।

प्रधानमंत्री द्वारा 'जे.जे.एम. मोबाइल ऐप' का लोकार्पण

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने 'जे.जे.एम. मोबाइल ऐप' का भी लोकार्पण किया। यह ऐप डिजिटल प्रशासन को बढ़ावा देने, इस कार्यक्रम में आम लोगों की भागीदारी बढ़ाने तथा सामुदायिक जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में किया गया प्रयास है।

इस ऐप से ग्राम-स्तर तक जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन संबंधी जानकारियाँ हासिल की जा सकती हैं। जे.जे.एम. डैशबोर्ड, डबल्यू.क्यू.एम.आइ.एस. और आइ.एम.आइ.एस., ग्रामीण समाज के लिए आइ.ई.सी. सामग्री, पानी समितियां, पी.एच.ई.डी., जे.जे.एम. दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शिकाएँ, जल परिसंपत्ति टैगिंग संबंधी जानकारी, 'हर घर जल' प्रमाणीकरण, आदि इस ऐप के फीचर्स में शामिल हैं।

ग्रामीण समाज के लिए अत्यंत उपयोगी होने के साथ ही यह ऐप पी.एच.ई.डी. के फ़ील्ड इंजीनियरों को गांवों को 'हर घर जल' प्रमाणीकृत करने में भी बड़ा मददगार साबित होगा। यह ऐप डाटा एंट्री को ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों प्रकार से, सपोर्ट करता है तथा इसके उपयोग से जल-स्रोतों और कार्यक्रम से जुड़ी परिसंपत्तियों की जियो-टैगिंग आसानी से की जा सकती है।

यह ऐप ग्राम-स्तर पर इस बारे में भी जानकारी दे सकता है कि पानी समिति के कितने सदस्यों को एफ़.टी.के. द्वारा जल गुणवत्ता जांच का प्रशिक्षण दिया जा चुका है, किसी बड़े मरम्मत कार्य के लिए पी.एच.ई.डी. इंजीनियर का, और छोटी-मोटी मरम्मत के लिए स्थानीय व्यक्ति (जैसे प्लम्बर, एलेक्ट्रिशियन, आदि) का फ़ोन नंबर।

'जे.जे.एम. मोबाइल ऐप' की खूबियाँ

- जल जीवन मिशन की प्रगति की रियल-टाइम आधार पर जानकारी
- जल-स्रोतों और परिसंपत्तियों की ऑफलाइन मोड में भी जियो-टैगिंग कर सकने की सुविधा
- जे.जे.एम. डैशबोर्ड, डबल्यू.क्यू.एम.आइ.एस. पोर्टल और आइ.एम.आइ.एस. तक आसानी से पहुंचा जा सकता है
- आम लोगों और फ़ील्ड इंजीनियरों के लिए क्षमता संवर्धन सामग्री
- 'हर घर जल' प्रमाण पत्र/ वीडियो को आसानी से अपलोड किया जा सकता है

ऐप डाउनलोड करने के लिए स्कैन करें

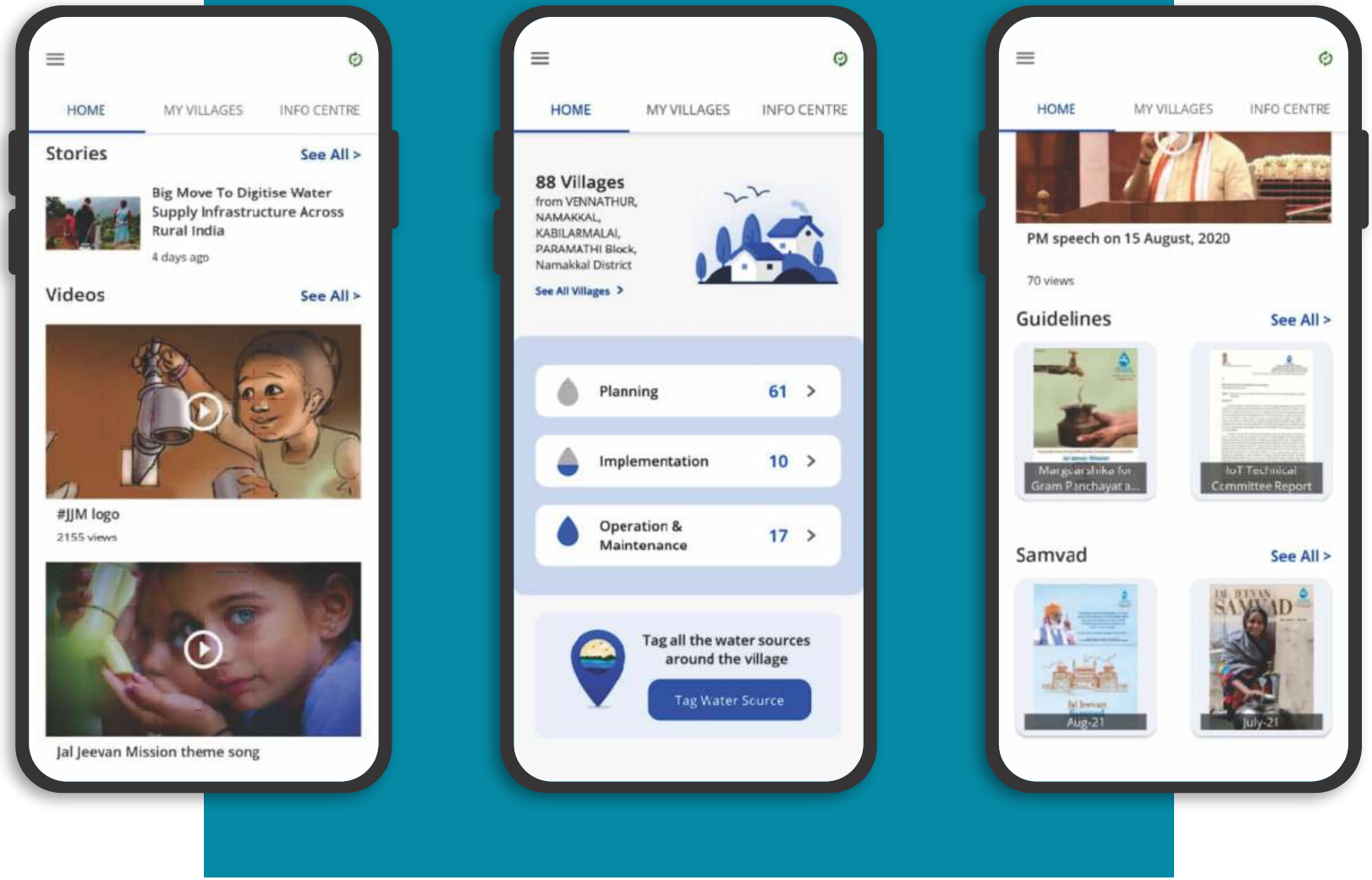
HOME
MY VILLAGES
INFO CENTRE
Stories
See All >
Big Move To Digitise Water Supply Infrastructure Across Rural India
4 days ago
Videos
See All >
#JJM logo
2155 views
Jal Jeevan Mission theme song
HOME
MY VILLAGES
INFO CENTRE
88 Villages
from VENNATHUR, NAMAKKAL, KABILARMALAI, PARAMATHI Block, Namakkal District
See All Villages >
Planning 61 >
Implementation 10 >
Operation & Maintenance 17 >
Tag all the water sources around the village
Tag Water Source
HOME
MY VILLAGES
INFO CENTRE
PM speech on 15 August, 2020
70 views
Guidelines
See All >
Margadarshike for Gram Panchayat a...
IoT Technical Committee Report
Samvad
See All >
Aug-21
July-21

प्रधानमंत्री द्वारा जल जीवन मिशन की 'ई-पुस्तकों' का लोकार्पण

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर '15वें वित्त आयोग के जल एवं स्वच्छता संबंधी (2021-22 से 2025-26) सशर्त अनुदान के उपयोग हेतु ग्रामीण स्थानीय निकायों/ पंचायती राज संस्थाओं के लिए मार्गदर्शिका' के साथ ही दो ई-पुस्तकों: 'ड्रिंकिंग वॉटर क्वालिटी मौनीटरिंग एंड सर्वीलैंस फ्रेमवर्क' तथा 'जल जीवन मिशन के दो वर्ष' का भी लोकार्पण किया।

15वें वित्त आयोग के जल एवं स्वच्छता संबंधी (2021-22 से 2025-26) सशर्त अनुदान के उपयोग हेतु ग्रामीण स्थानीय निकायों/ पंचायती राज संस्थाओं के लिए मार्गदर्शिका

15वें वित्त आयोग ने ग्रामीण स्थानीय निकायों को 2021-22 से 2025-26 की अवधि के लिए 2,36,805 करोड़ रुपये के आबंटन की सिफ़ारिश की है, जिसमें से 40% राशि मूल अनुदान (शर्त रहित) के रूप में है, जबकि शेष 60% राशि (1.42 लाख करोड़ रुपये) पेयजल, वर्षा जल संचयन, जल के पुनरुपयोग, और स्वच्छता तथा ओ.डी.एफ़. दर्जा बनाए रखने के लिए सशर्त अनुदान के रूप में हैं।

https://jalshakti-ddws.gov.in/sites/default/files/FFC_22-10-21_English.pdf

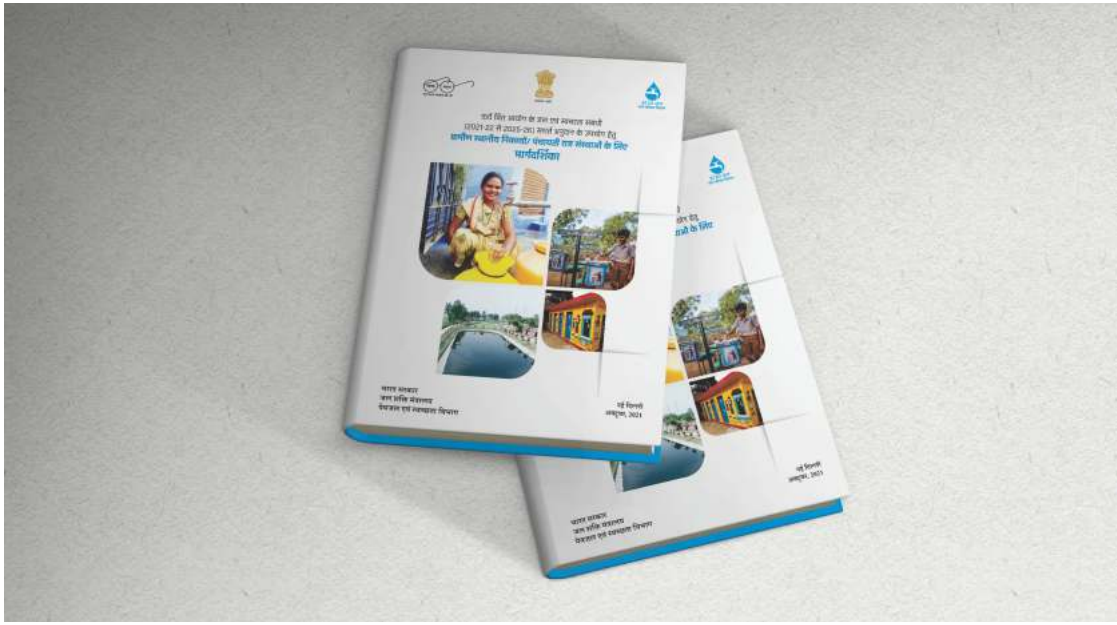

ड्रिंकिंग वॉटर क्वालिटी मौनीटरिंग एंड सर्वीलैंस फ्रेमवर्क

‘डबल्यू.क्यू.एम.एस. फ्रेमवर्क’ सभी हितधारकों (ग्राम पंचायत, पानी समितियों, पी.एच.ई.डी., स्वास्थ्य से जुड़े पेशेवर लोगों, ब्लॉक एवं ज़िला प्रशासन) का ज़रूरी जल गुणवत्ता मानकों, जल जांच प्रक्रिया, और 4-स्तरों (ग्राम-ब्लॉक-ज़िला-राज्य) वाली गुणवत्ता निगरानी प्रणाली के ज़रिये जल-स्रोत चौकसी के बारे में मार्ग-दर्शन करता है। डबल्यू.क्यू.एम.एस. उपयोगकर्ताओं को इस बात के लिए प्रोत्साहित करता है कि वे ग्राम-स्तर पर अपने पेयजल की जांच एफ़.टी.के. द्वारा या सब-डिवीज़नल, ज़िला या राज्य-स्तर की प्रयोगशालाओं से करवाएँ।

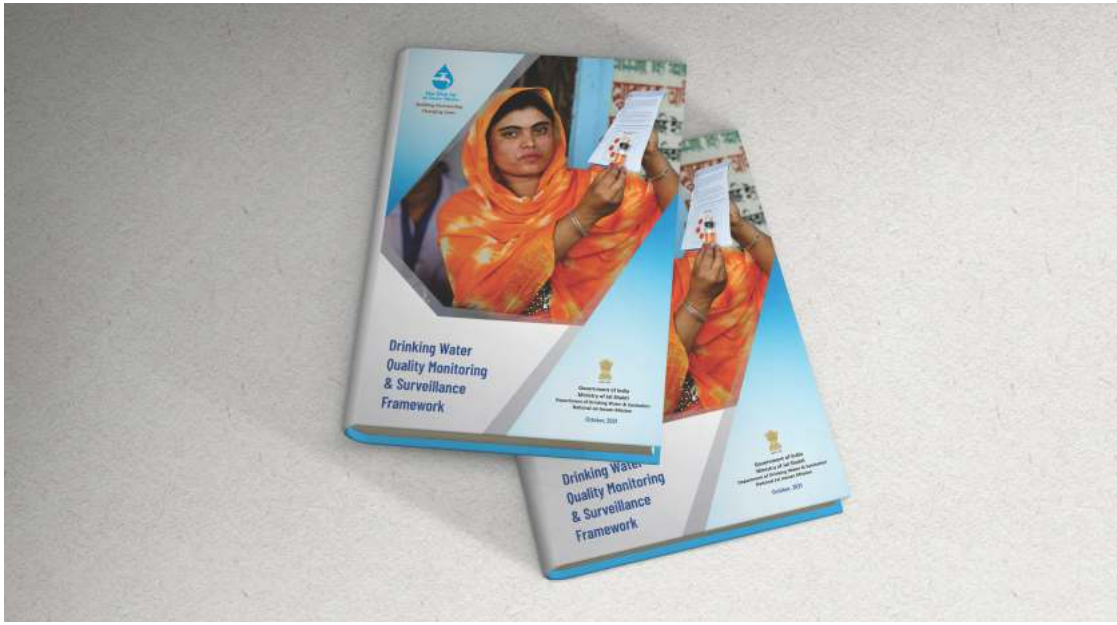

जल जीवन मिशन के दो वर्ष

इस ई-पुस्तक में जल जीवन मिशन के विभिन्न पहलुओं, और खासकर पिछले दो वर्षों में उसके कार्यान्वयन में हुई प्रगति का वर्णन मिलता है। इसमें उन अनेक उपायों की भी चर्चा की गई है, जो ग्रामीण घरों में शुद्ध पेयजल की सुनिश्चित सर्विस डिलिवरी के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकीय दृष्टि से, सूचना और संचार के ज़रिये लोगों तक पहुँचने के लिए तथा प्रशिक्षण और कौशल विकास के लिए किए गए हैं।

https://jaljeevanmission.gov.in/themes/edutheme/document/two-years-of-jal-jeevan-mission.pdf

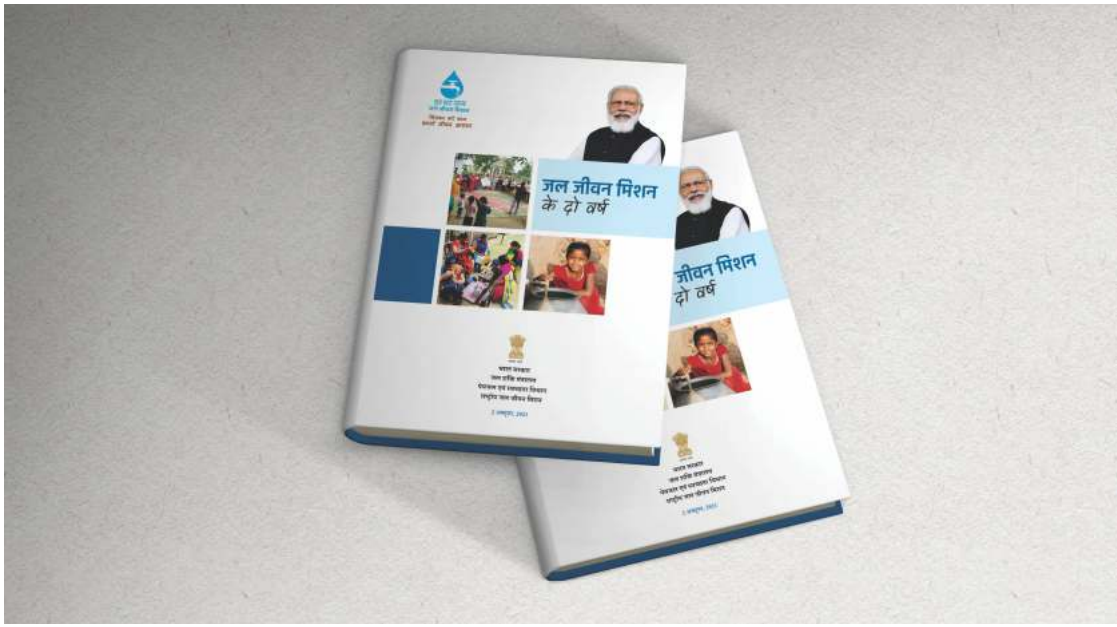

मीडिया
के केंद्र में

अभूतपूर्व

जल जीवन संवाद कार्यक्रम के बारे में हैशटैग #JaljeevanSamvad के उपयोग से सोशल मीडिया प्लैटफ़ार्म के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचने के प्रयास में 1 अक्टूबर से 3 अक्टूबर 2021 के बीच 309 उपयोगकर्ताओं के 1,008 मेन्शंस से 5.91 करोड़ लोगों तक पहुंचा जा सका, जबकि #JalJeevanMission की पहुँच 484 उपयोगकर्ताओं के 971 मेन्शंस से 5.46 करोड़ रही।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सत्यमेव जयते

हर घर जल
जल जीवन मिशन

"जल जीवन मिशन का विज़न, सिर्फ लोगों तक पानी पहुंचाने का ही नहीं है। ये डीसेन्ट्रेलाइज़ेशन का, विकेंद्रीकरण का भी बहुत बड़ा मूवमेंट है। ये विलेज-ड्रिवन, विमन-ड्रिवन मूवमेंट है। इसका मुख्य आधार, जनआंदोलन और जनभागीदारी है।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

(02 अक्टूबर, 2021 को पानी समितियों के साथ जल जीवन संवाद से लिया गया उद्धरण)

आज सुबह 11 बजे
mygov
मेरी सरकार
पीएम मोदी द्वारा ग्राम पंचायतों से मुलाकात तथा ऐप का शुभारंभ
हितधारकों के बीच जागरुकता, योजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए
जल जीवन मिशन ऐप का शुभारंभ
राष्ट्रीय जल जीवन कोष ₹ का शुभारंभ
व्यक्ति, संगठन, आदि अब ग्रामीण क्षेत्र के लिए नल से नल के कनेक्शन प्रदान करने में योगदान कर सकते हैं
ग्राम पंचायतों पानी समितियों से बातचीत
Har Ghar Jal
Jal Jeevan Mission

Narendra Modi @narendramodi · Oct 2
एक-एक बूंद पानी बचाने की प्रेरणा हमें उन लोगों से लेनी चाहिए, जिनके जीवन का सबसे बड़ा मिशन जल संरक्षण और जल संचयन है।
पानी समितियों के साथ संवाद
हर घर जल
जल जीवन मिशन
2:49 123.8K views
587 3.7K 16.4K

CSCeGov
@CSCegov_
Nation-wide GRAM SABHA & SAMVAD with PANI SAMITI'S ON JAL JEEVAN MISSION by Shri @narendramodi Hon' PM through #CSC...
Watch it Live on 2 Oct 2021 at 10 AM
All CSCs to invite villagers at the center during the event.
#SamvadWithPM #JalJeevanSamvad #JalJeevanMission @jaljeevan_
CSC

Narendra Modi @narendramodi · Oct 2
देश में पानी के प्रबंधन और सिंचाई के व्यापक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए बड़े स्तर पर काम चल रहा है।
पहली बार जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत पानी से जुड़े अधिकतर विषय लाए गए हैं। मां गंगा जी और अन्य नदियों के पानी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए हम स्पष्ट रणनीति के साथ आगे बढ़ रहे हैं।
पानी समितियों के साथ संवाद
2:07 80.9K views
534 2.7K 10.6K

MyGovIndia @mygovindia · Oct 2

Launched in 2019 by PM @narendramodi, the Jal Jeevan Mission has secured convenient water supply for about 25 crore citizens.
#SamvadWithPM

You and 5 others

6 105 323

Narendra Modi @narendramodi · Oct 2

गांधी जी कहते थे कि ग्राम स्वराज का वास्तविक अर्थ आत्मबल से परिपूर्ण होना है।

ग्राम स्वराज को लेकर केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का एक बड़ा प्रमाण जल जीवन मिशन और पानी समितियां भी हैं।

413 2.6K 11.2K

MyGovIndia @mygovindia · Oct 2

Jal Jeevan Mission aims to ensure tap water supply to all rural households by 2024! It is positively transforming the lives of crores of people in the country. #SamvadWithPM

3 23 79

MyGovIndia @mygovindia · Oct 2

The strides taken under Jal Jeevan Mission have been made possible due to the collaborative effort of Government! #SamvadWithPM

3 41 103

Gajendra Singh Shekhawat @gssjodhpur · Oct 1
Every single rural household in 1.16 lakh villages is getting tap water supply since the inception of #JalJeevanMission.
And our Pani samitis have had a great role to play in the effective implementation n management of in-village water supply.
#SamvadWithPM
#JalJeevanSamvad
11
216
468

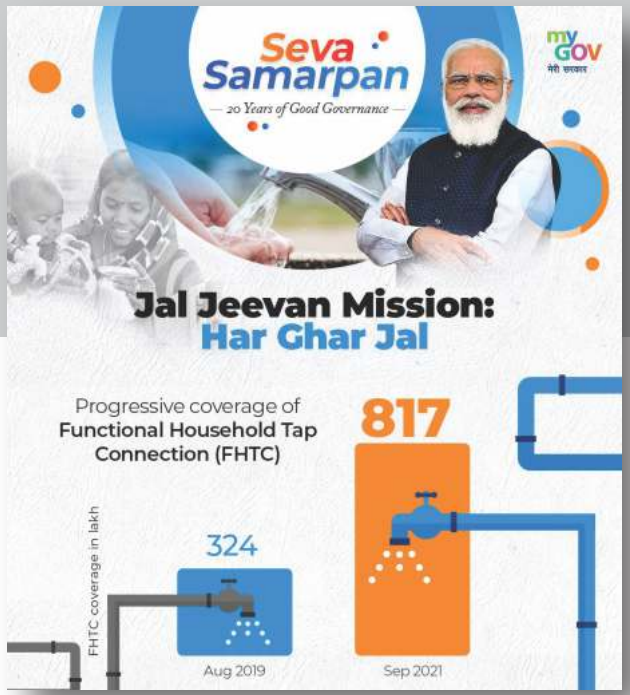
Seva Samarpan
20 Years of Good Governance
my Gov
मेरी सरकार
Jal Jeevan Mission:
Har Ghar Jal
Progressive coverage of Functional Household Tap Connection (FHTC)
817
324
FHTC coverage in lakh
Aug 2019
Sep 2021

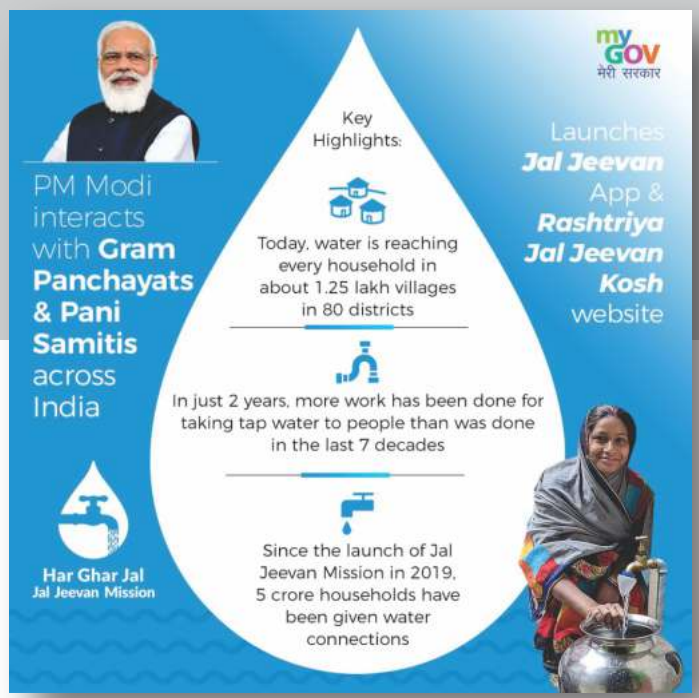
my Gov
मेरी सरकार
PM Modi interacts with Gram Panchayats & Pani Samitis across India
Key Highlights:
Today, water is reaching every household in about 1.25 lakh villages in 80 districts
In just 2 years, more work has been done for taking tap water to people than was done in the last 7 decades
Since the launch of Jal Jeevan Mission in 2019, 5 crore households have been given water connections
Launches Jal Jeevan App & Rashtriya Jal Jeevan Kosh website
Har Ghar Jal
Jal Jeevan Mission

पीएम ने जल संचयन की उपयोगिता बताकर स्वच्छ पानी पीने पर दिया बल

सशदसूत्र, बाराबंकी : जल शक्ति मंत्रालय की ओर से ग्राम पंचायतों में गठित पानी समिति के सदस्यों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संवाद कार्यक्रम को जनसुविधा केंद्रों के माध्यम से शनिवार को लोगों ने देखा। प्रधानमंत्री ने लोगों को जल संचयन की उपयोगिता बताई। स्वच्छ पानी पीने पर बल दिया।

पीएम ने कहा कि प्रदूषित पानी से कई तरह की बीमारियां पैदा होती हैं। शुद्ध पानी घर घर पहुंचाने के लिए ग्रामीण पेयजल परियोजनाएं संचालित हैं। सिद्धौर ब्लाक के कोठी स्थित जन सुविधा केंद्र के संचालक संजय कुमार तिवारी ने लोगों को विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से संचालित टेली ला सेवा के पत्रक भी प्रदान किए।

रवि वर्मा ने बताया कि 40 केंद्रों के माध्यम से प्रधानमंत्री का संवाद कार्यक्रम आम जनता को दिखाया गया। राजकुमार सोनी, भुल्लन वर्मा, देवी शंकर सोनी, विनिता वर्मा, प्रेम नंद वर्मा, रामू वर्मा सहित अन्य मौजूद रहे। भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष ओम प्रकाश अवस्थी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सफाई अभियान चलाकर विद्यालय और देवी मंदिर परिसर की साफ सफाई की।

कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से दिखाया गया प्रधानमंत्री जी के जल जीवन मिशन का लाइव संवाद और किया गया वृक्षारोपण

दैनिक प्रथा प्रतिज्ञा। टीम

जिला बरेली दिनांक 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के उपलक्ष में ग्रामसभा और संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा को लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से ग्राम सभा के स्थानीय जनमानस को संबोधित केया गया। जिसका लाइव टेलीकास्ट सीएससी ई गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड द्वारा संचालित सीएससी केंद्रों के माध्यम से कराया गया। माननीय प्रधानमंत्री के द्वारा आम जनमानस की पानी की समस्याओं को दूर करने के लिए योजनाएं चलाई जाने की बात कही गई जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में पीने के पानी को स्वच्छ बनाने के द्वारा पानी समिति के सदस्यों से भी चर्चा की गई एवं ऐसे स्थानीय समाजसेवियों की प्रशंसा की गई जिन्होंने कोरोना महामारी के समय जनता की सहयोग के लिए आगे आए एवं प्रत्येक घर में पानी की टोटी लगाने का प्रयास किया। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा बताया गया कि अस्वच्छ पानी की वजह से विभिन्न प्रकार की बीमारियां फैल रही हैं जिसको दूर करना हम सब का कर्तव्य है। साथ ही माननीय प्रधानमंत्री के द्वारा पानी समिति के सदस्यों से भी चर्चा की गई एवं ऐसे स्थानीय समाजसेवियों की प्रशंसा की गई जिन्होंने कोरोना महामारी के समय से केंद्रों पर लाइव टेलीकास्ट का आयोजन किया गया जहां स्थानीय आम जनमानस उपस्थित हो पानी की समस्याओं को दूर करने की संबंधित योजनाओं के बारे में सुना और समझा। जिला समन्वयक द्वारा बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ एवं बरसात की वजह से जल जमाव होने के कारण पीने की पानी की समस्या बढ़ती जा रही है जिस को दूर करने का प्रयास हमारे माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किया जा रहा है एवं जल्द से जल्द सभी घरों में पीने के पानी की टोटी लगाए जाने हेतु प्रयास किया जा रहा है इस अवसर पर विभिन्न कॉमन सर्विस सेंटर संचालको के वृक्षारोपण और अपने आस पास साफ सफाई का कार्य भी किया गया।

सीएससी स्वांग दक्षिणी में हुआ जलजीवन मिशन का लाईव प्रसारण

आजाद सिपाही संवाददाता

गोमिया। गोमिया प्रखंड के स्वांग दक्षिणी पंचायत स्थित सीएससी केन्द्र के द्वारा सभागार में गांधी जयन्ती के अवसर पर शनिवार को पीएस मोदी के जलजीवन मिशन कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया।सर्वप्रथम स्वांग दक्षिणी पंचायत के मुखिया एवं वीएलई ओमकार नाथ मिश्रा के द्वारा महात्मा गाँधी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया।ततपश्चात उपस्थित लोगों एवं स्थानीय जल समिति के सदस्यों के बीच पीएम मोदी के जलजीवन मिशन के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। जिसमें 26 लोगों ने भाग लिया। इस मौके पर पूर्व मुखिया विनोद पासवान, विनोद यादव ,कृष्ण दयाल सिंह ,आशीष कुमार, रीता कुमारी, सुचित्रा कुमारी, शहनाज, चन्दा देवी उपस्थित थी।

गांधी जयंती के अवसर पर ग्रामीणों को जल संचयन एवं टेली ला सेवा के बारे में किया गया जागरूक

बाराबंकी। पूज्य राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ग्राम-स्वराज के विजन अन्तर्गत जल शक्ति मंत्रालय द्वारा प्रायोजित पानी समिति के सदस्यों के साथ माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा लाईव संवाद किया गया। जिसका स्थानीय ग्राम सभा के पानी समिति के सदस्यों समेत नागरिकों को आमंत्रित कर उपरोक्त कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिले के सभी कॉमन सर्विस केन्द्रों के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री के द्वारा आम जनमानस की पानी की समस्याओं को दूर करने के लिए योजनाएं चलाई जाने की बात कही गई जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में पीने के पानी को स्वच्छ बनाने हेतु चर्चा किया गया। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा बताया गया कि अस्वच्छ पानी की वजह से विभिन्न प्रकार की बीमारियां फैल रही हैं जिसको दूर करना हम सब का कर्तव्य है। साथ ही माननीय प्रधानमंत्री के द्वारा पानी समिति के सदस्यों से भी चर्चा की गई एवं ऐसे स्थानीय समाजसेवियों की प्रशंसा की गई जिन्होंने कोरोना महामारी के समय जनता की सहयोग के लिए आगे आए एवं प्रत्येक घर में पानी की टोटी लगाने का प्रयास किया। जनपद बाराबंकी के जिला प्रबंधक रवि वर्मा ने बताया कि जिले में कुल 40 केंद्रों पर लाइव टेलीकास्ट का आयोजन किया गया जहां स्थानीय आम जनमानस उपस्थित हो पानी की समस्याओं को दूर करने की संबंधित योजनाओं के बारे में सुना और समझा। साथ ही सीएससी एवं विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चल रही टेली ला सेवा के संबंध में भी जागरूक किया गया जिसके लिए कोठी स्थित पास्कल कॉमन सर्विस सेंटर के संचालक संजय कुमार तिवारी द्वारा ग्रामीणों को जागरूकता प्रपत्र देकर उन्हें जागरूक करते हुए बताया कि इस सेवा के माध्यम से किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति को कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से कानूनी सलाह मिल सकती है ।

'TAP WATER IN EVERY HOUSEHOLD'

Under Jal Jeevan Mission, 5 crore houses got water connection: PM

PRESS TRUST OF INDIA
Dubai, October 2

Prime Minister Narendra Modi pays homage to Mahatma Gandhi on the occasion of his birth anniversary, at Rajghat in New Delhi, on Saturday EXPRESS PHOTO: AMIT MEHRA

SINCE THE LAUNCH of the Jal Jeevan Mission in 2019, five crore households have got water connection and now tap water is reaching every household in about 1.25 lakh villages, Prime Minister Narendra Modi said on Saturday, asserting that today's India has done more work in just two years than what was done in seven decades.

Speaking after interacting with gram panchayats and pani samitis/village water and sanitation committees (VWSC) on the Jal Jeevan Mission, Modi said the mission is not just about bringing water to people but it is also a decentralisation movement that is village and women-driven.

"From the time of Independence till 2019, only three crore households in our country had access to tap water. Since the launch of the Jal Jeevan Mission in 2019, five crore households were provided with water connections," he said.

"Today, water is reaching every household in about 1.25 lakh villages in about 80 districts of the country. That is, today's India has done more work in just two years than what was done in the last seven decades."

In aspirational districts, piped water connections have risen from 31 lakh to over 1.16 crore, the prime minister said.

Modi said it has to be ensured that the situation of bringing water to any part of the country through tankers or trains never arises.

FINANCIAL EXPRESS READ TO LEAD Sun, 03 October 2021 https://epaper.financialexpress.com/c/6350357(

First India

PM TO INTERACT ON JAL JEEVAN MISSION TODAY

...with the Pani Samitis, Gram Panchayats, VWSC @ 11am VC

New Delhi: Prime Minister Narendra Modi will interact with Gram Panchayats, Pani Samitis & Village Water and Sanitation Committees (VWSC) on Jal Jeevan Mission today at 11 am via video conferencing.

Prime Minister will launch Jal Jeevan Mission application for improving awareness among stakeholders & for greater transparency and accountability of schemes under mission. Nationwide Gram Sabhas on Jal Jeevan Mission will also take place during day. Gram Sabhas will discuss planning and management of village water supply systems and also work towards long term water security. —ANI

RASHTRIYA JAL JEEVAN KOSH...

He will also launch Rashtriya Jal Jeevan Kosh, where any individual, institution, corporation, or philanthropist, be it in India or abroad, can contribute to help provide tap water connection in every rural household, school, Anganwadi centre, ashram shala, and other public institutions.

IMPORTANCE OF PANI SAMITIS

- Pani Samitis play a key role in planning, implementation, management, operation and maintenance of village water supply systems.
- Out of over 6 lakh villages, Pani Samitis/ VWSCs have been constituted in around 3.5 lakh villages.
- More than 7.1 lakh women have been trained to test the quality of water by using Field Test Kits.

WISHES POUR IN ON PRESIDENT'S 76TH B'DAY

...PM MODI, VP NAIDU, SHAH & OTHERS EXTEND GREETINGS!

HAPPY BIRTHDAY! PM Narendra Modi greets President Ram Nath Kovind at Rashtrapati Bhawan.

New Delhi: As President Ram Nath Kovind turned 76 on Friday top leaders of the country extended their greetings and wished him a long life.

Prime Minister Narendra Modi and Vice President M. Venkaiah Naidu, Home Minister Amit Shah, Defence Minister Rajnath Singh and others wished President Kovind good health and many more years in the service of the nation as he turned 76 on October 1. Kovind was born on October 1, 1945, at Paraunkh village in Kanpur district of Uttar Pradesh.

PM Narendra Modi said the President has endeared himself to the entire nation due to his humble personality.

Defence minister Rajnath Singh said, "Warm wishes to the President of India, Shri Ramnath Kovind ji on his birthday. He is admired by everyone for his wisdom, intellect and contribution to public life." —Agencies

Narendra Modi @narendramodi

Birthday greetings to Rashtrapati Ji. Due to his humble personality he has endeared himself to the entire nation. His focus on empowering the poor and marginalised sections of society is exemplary. May he lead a long healthy life.

NAIDU WISHES

"Heartiest greetings to Hon'ble President of India, Shri. Ram Nath Kovind Ji on his birthday today. He is known for his simplicity & remarkable vision. May he be blessed with good health, happiness and many years in service of nation," VP said.

SHAH GREETS

Union home minister Amit Shah said the President's commitment towards the welfare of every section of society is inspiring. In a tweet in Hindi, Shah also said, "Country has benefited continuously from your knowledge and experience."

Hindustan Times

Jal Jeevan is 'women-driven' plan of decentralisation: PM

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

Narendra Modi

NEW DELHI: The mass participation of women is crucial to the success of the government's aim to provide tap water in every household in the country, Prime Minister Narendra Modi said on Saturday.

He launched the Jal Jeevan Mission app on the occasion of the birth anniversary of Mahatma Gandhi. The app is expected to boost awareness and increase transparency and accountability of the government's water and sanitation schemes.

"This (Jal Jeevan Mission) is a village-driven, women-driven movement. Its main base is a mass movement and public participation," Modi said. "It has been my constant effort that this thinking of gram swaraj (village republic) should move forward towards accomplishment."

From India's Independence in 1947 to 2019, only 30 million households had access to tap water, he said. "Since the launch of Jal Jeevan Mission in 2019, 5 crore households have been connected with water connections," Modi said. "Today, water is reaching every household in about 1.25 lakh villages in about 80 districts of the country. In the aspirational districts, the number of tap connections have increased from 31 lakh to 1.16 crore."

Modi also launched the Rashtriya Jal Jeevan Kosh, a government charitable trust. "Any individual, institution, corporation, or philanthropist, be it in India or abroad, can contribute to help provide tap water connection in every rural household, school, anganwadi (day

continued on →22

‘सर्व सेवा केन्द्रों’ (सी.एस.सी.) ने बनाया गांवों से संवाद को सुगम

गांधी जयंती के दिन 5 गांवों की पानी समितियों के अध्यक्षों के साथ विडियो कॉन्फ्रेंस के ज़रिये प्रधानमंत्री के संवाद और फिर राष्ट्रव्यापी ग्राम सभाओं को प्रधानमंत्री के सम्बोधन को सुगम बनाने में देशभर में फैले 2 लाख से ज़्यादा ‘सर्व सेवा केन्द्रों’ (कॉमन सर्विस सेंटर्स) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन सेवा केन्द्रों ने प्रधानमंत्री के निर्धारित कार्यक्रम के बारे में ग्रामवासियों में जागरूकता भी जगाई।

‘सर्व सेवा केन्द्रों’ के सहयोग से 1,74,739 ग्राम सभाओं के 62 लाख लोग प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से जुड़ सके। अरुणाचल प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, गोवा, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पुडुचेरी, तमिल नाडु, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में ‘सर्व सेवा केन्द्रों’ ने 25 लाख से ज़्यादा ग्रामीण लोगों को इस कार्यक्रम से जोड़ा ताकि वे अपने गाँव की पेयजल आपूर्ति योजना, हर घर नल से जल की व्यवस्था, जल उपयोग के लिए सामुदायिक अंशदान तथा उपयोग शुल्क, ग्रेवॉटर का शोधन और पुनरुपयोग, जल-स्रोतों का सुदृढीकरण और संवर्धन तथा गाँव की स्वच्छता और व्यक्तिगत साफ़-सफ़ाई जैसे विषयों पर चर्चा में शामिल हो सकें।

ग्राम सभाओं में ज़िले के अधिकारी और पी.एच.ई.डी. इंजीनियर भी उपस्थित रहे। देशभर के अनेक गांवों में तो इन ग्राम सभाओं में मंत्रियों, सांसदों और विधायकों ने भी हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लोगों ने इंटरनेट, दूरदर्शन और अन्य समाचार चैनलों के साथ-साथ सोशल मीडिया में शेयर किए गए लिंक्स के ज़रिये भी देखा।

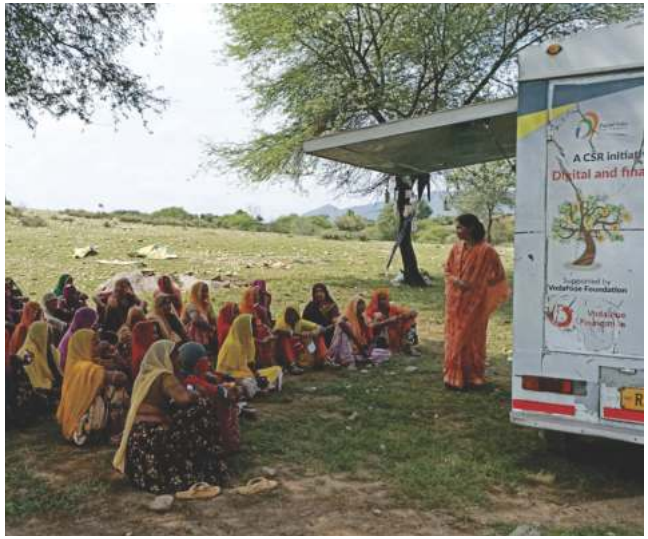

apu's vision of
varaj
m Sabha and
rendra Modiji's
Pani Samitis
Mission

'सर्व सेवा केन्द्रों' के ज़रिये नागरिकों की भागीदारी

राज्यवार

क्र. सं.	प्रदेश	सर्व से.के. की संख्या	प्रत्येक केंद्र में नागरिक भागीदारी
1.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	16	302
2.	आंध्र प्रदेश	3,249	1,10,245
3.	अरुणाचल प्रदेश	58	707
4.	असम	5,507	1,67,327
5.	बिहार	17,982	5,67,329
6.	चंडीगढ़	3	29
7.	छत्तीसगढ़	10,864	3,32,021
8.	दा.न.ह. एवं द.दी.	7	59
9.	दिल्ली	619	6,769
10.	गोवा	38	903
11.	गुजरात	10,843	3,02,921
12.	हरियाणा	8,839	2,82,891
13.	हिमाचल प्रदेश	3,581	1,14,592
14.	जम्मू एवं कश्मीर	3,683	57,732
15.	झारखंड	10,938	3,87,832
16.	कर्नाटक	4,891	1,59,304
17.	केरल	3,329	94,732
18.	लक्षद्वीप	5	112
19.	लद्दाख	32	449

क्र. सं.	प्रदेश	सर्व से.के. की संख्या	प्रत्येक केंद्र में नागरिक भागीदारी
20.	मध्य प्रदेश	17,784	5,74,921
21.	महाराष्ट्र	18,872	5,78,324
22.	मणिपुर	197	4,032
23.	मेघालय	108	1,692
24.	मिज़ोरम	137	1,798
25.	नागालैंड	178	3,468
26.	ओड़ीशा	9,917	3,06,472
27.	पुडुचेरी	12	309
28.	पंजाब	5,761	1,65,210
29.	राजस्थान	12,927	4,05,238
30.	सिक्किम	12	171
31.	तमिल नाडु	4,894	1,48,432
32.	तेलंगाना	4,671	1,45,921
33.	त्रिपुरा	567	9,038
34.	उत्तर प्रदेश	35,120	10,83,032
35.	उत्तराखंड	3,791	98,329
36.	प. बंगाल	3,462	87,402
	कुल	**2,02,894**	**62,00,045**

जल जीवन मिशन
ज्ञान और जानकारी के संसाधन

दिशा-निर्देश

1. 15वें वित्त आयोग के जल एवं स्वच्छता संबंधी (2021-22 से 2025-26) सशर्त अनुदान के उपयोग हेतु ग्रामीण स्थानीय निकायों/ पंचायती राज संस्थाओं के लिए मार्गदर्शिका
2. ग्रामीण इलाकों में पानी की सर्विस डिलीवरी को मापने और निगरानी पर तकनीकी और विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट
3. प्रमुख संसाधन केन्द्रों (के.आर.सी.) द्वारा क्षमता संवर्धन संबंधी दिशा-निर्देश
4. ग्राम पंचायतों एवं पानी समितियों के लिए मार्गदर्शिका
5. जल जीवन मिशन (हर घर जल) संबंधी अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं हेतु दिशा-निर्देश
6. जल जीवन मिशन हर घर जल के कार्यान्वयन हेतु प्रचालन दिशा-निर्देश (01.01.2020)
7. जल जीवन मिशन हर घर जल के कार्यान्वयन हेतु प्रचालन दिशा-निर्देश (हिंदी) (01.01.2020)
8. जल जीवन मिशन (जे.जे.एम.)
9. द्वितीय राष्ट्रीय पुरस्कार, 2019 के लिए नामांकन

प्रकाशन और रिपोर्ट

1. जल जीवन मिशन के दो वर्ष
2. आंगनवाड़ी केन्द्रों, आश्रमशालाओं और स्कूलों में नल से जल उपलब्ध कराने हेतु 100-दिवसीय अभियान
3. भागीदारीपूर्ण स्प्रिंगशेड प्रबंधन से पर्वतीय क्षेत्र में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था

मासिक पत्रिका

जल जीवन संवाद

दिशा-निर्देश: https://jaljeevanmission.gov.in/guidelines
प्रकाशन और रिपोर्ट: https://jaljeevanmission.gov.in/publication-report
मासिक पत्रिका: https://jaljeevanmission.gov.in/jal-jeevan-samvad

विडियो लाइब्रेरी:

जल जीवन मिशन पर
प्रधानमंत्री का पानी समितियों के साथ संवाद

क्र.सं.	शीर्षक	विषय	लिंक	क्यू.आर. कोड
1.	राष्ट्रव्यापी ग्राम सभाएं और माननीय प्रधानमंत्री जी का ग्राम पंचायतों/ पानी समितियों के साथ संवाद	मुख्य कार्यक्रम का विडियो	https://youtu.be/OMFiVr1BxsA	
जल सुरक्षा के 20 वर्ष: विशेष वीडियो				
2.	जल सुरक्षा के 20 वर्ष	जल-सुरक्षित राष्ट्र संबंधी प्रधानमंत्री का विज़न	https://youtu.be/4vfUnhXjCU4	

क्र.सं.	शीर्षक	विषय	लिंक	क्यू.आर. कोड
लोकार्पण वीडियो				
3.	जल जीवन मिशन ऐप – मिशन के तहत योजनाओं में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए	'जे.जे.एम. मोबाइल ऐप'	https://youtu.be/fnjdtdEQJM0	
4.	ड्रिंकिंग वॉटर क्वालिटी मौनीटरिंग एंड सर्वीलैंस फ्रेमवर्क का प्रधानमंत्री द्वारा लोकार्पण	ड्रिंकिंग वॉटर क्वालिटी फ्रेमवर्क	https://youtu.be/6O3sUv8WBs0	
5.	15वें वित्त आयोग संबंधी मार्गदर्शिका का प्रधानमंत्री द्वारा विमोचन	15वें वित्त आयोग संबंधी मार्गदर्शिका (हिंदी)	https://youtu.be/QR6orn3zfZs	

क्र.सं.	शीर्षक	विषय	लिंक	क्यू.आर. कोड
पानी समिति सदस्यों से संवाद				
6.	जल जीवन मिशन पर प्रधानमंत्री का ग्राम पंचायतों और पानी समितियों के साथ संवाद – गुजरात	गुजरात	https://youtu.be/agptcG6OPYQ	
7.	जल जीवन मिशन पर प्रधानमंत्री का ग्राम पंचायतों और पानी समितियों के साथ संवाद – उत्तराखंड	उत्तराखंड	https://youtu.be/komD7YLnruQ	
8.	जल जीवन मिशन पर प्रधानमंत्री का ग्राम पंचायतों और पानी समितियों के साथ संवाद – मणिपुर	मणिपुर	https://youtu.be/i55nLKHH3B0	

क्र.सं.	शीर्षक	विषय	लिंक	क्यू.आर. कोड
9.	जल जीवन मिशन पर प्रधानमंत्री का ग्राम पंचायतों और पानी समितियों के साथ संवाद – तमिल नाडु	तमिल नाडु	https://youtu.be/FKRVkHvniuM	
10.	जल जीवन मिशन पर प्रधानमंत्री का ग्राम पंचायतों और पानी समितियों के साथ संवाद – उत्तर प्रदेश	उत्तर प्रदेश	https://youtu.be/o1-fbXkV4sA	
जल जीवन मिशन पर प्रधानमंती के उद्गार - विषय आधारित विडियो				
11.	जल-सुरक्षा में पानी समितियों की भूमिका	पानी समितियों की भूमिका	https://youtu.be/cZpZbY2bYes	

क्र.सं.	शीर्षक	विषय	लिंक	क्यू.आर. कोड
12.	जल संरक्षण और गंदले पानी के पुनरुपयोग के बारे में प्रधानमंत्री के विचार	जल संरक्षण और 'ग्रेवॉटर' प्रबंधन	https://youtu.be/gQguVi_PKSo	
13.	जल जीवन मिशन से 'ग्राम-स्वराज' की प्राप्ति	जल जीवन मिशन में 'ग्राम-स्वराज'	https://youtu.be/-IzLnvw1z_Q	
14.	जल जीवन मिशन के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण	महिला सशक्तिकरण	https://youtu.be/a8LlnLErct0	

क्र.सं.	शीर्षक	विषय	लिंक	क्यू.आर. कोड
15.	जल जीवन मिशन के तहत निरंतर प्रयासों से जल-सुरक्षा की प्राप्ति	जल जीवन मिशन के तहत जल-सुरक्षा के प्रयास	https://youtu.be/L7vqEChKkRY	
16.	प्रभावकारी जल संरक्षण के लिए व्यवहार परिवर्तन अपनाए जाने के बारे में प्रधानमंत्री जी के विचार	जल संरक्षण के लिए व्यवहार परिवर्तन	https://youtu.be/P_9vlx_6Vp0	
17.	सामुदायिक भागीदारी ही सफलता की कुंजी है	सामुदायिक भागीदारी	https://youtu.be/eEg8jdx4NIU	

क्र.सं.	शीर्षक	विषय	लिंक	क्यू.आर. कोड
18.	जल जीवन मिशन: गुणवत्ता प्रभावित क्षेत्रों के लिए वरदान	जल गुणवत्ता	https://youtu.be/vPUaXI--dLk	
19.	जल जीवन मिशन: ग्रामीण विकास के लिए उत्प्रेरक	जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण विका	https://youtu.be/ItQ9fRV_I38	
20.	जल जीवन मिशन के बारे में प्रधानमंत्री का विज़न	जल जीवन मिशन का विज़न	https://youtu.be/TQ8cXeiz-qk	

क्र.सं.	शीर्षक	विषय	लिंक	क्यू.आर. कोड
21.	जल जीवन मिशन को तीव्रता और विशाल पैमाने पर लागू करने के बारे में प्रधानमंत्री के विचार	जल जीवन मिशन कार्यक्रम	https://youtu.be/XdcYjrU0Mf0	
22.	जल जीवन मिशन: ग्रामीण महिलाओं और बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य और बेहतर जीवन-स्तर	ग्रामीण स्वास्थ्य को बढ़ावा	https://youtu.be/hFm1RkhhgEc	
23.	प्रधानमंत्री द्वारा जल जीवन मिशन के मोबाइल ऐप का लोकार्पण	प्रधानमंत्री द्वारा 'जे.जे.एम. मोबाइल ऐप' का लोकार्पण	https://youtu.be/RrfWG2oQnY4	

हर घर जल
जल जीवन मिशन

मिलकर करें काम
बनाएँ जीवन आसान

भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
राष्ट्रीय जल जीवन मिशन

चौथा तल, अंत्योदय भवन,
सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली-110003
दूरभाष: +91-11-24361670
ई-मेल: njjm-ddws@gov.in I www.jaljeevanmission.gov.in

Jal Jeevan Mission, India
@jaljeevan_
Jal Jeevan Mission
@jaljeevanmission
jjm.gov.in
Jal Jeevan Mission

UNOPS द्वारा प्रकाशित